वार्षिक प्रतिवेदन

2011-12

(हिन्दी पाठ)

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
चेन्नई - ६०० ११३

निदेशक की तरफ से

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई - रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई वर्ष २०११-१२ के लिए वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के जरिए तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता की तलाश में संस्थान के सामूहिक प्रयास पर प्रबंध प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। हमारे संकाय सदस्यों के समर्पित सेवा से तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण (पॉलिटेकनीक और इंजीनियरिंग कालेज) अनुसंधान, पाठ्यचर्या विकास, समुद्रपार प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धि को यह प्रतिवेदन प्रतिबिंबित करता है। इस रिपोर्ट में संस्थान का भविष्य निरूपण, मिशन एवं लक्ष्य और उसके प्रकार्य, राज्य, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के निकायों से समन्वय और विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं के अद्यीन संस्थान द्वारा लिए गए कार्यकलापों का भी समावेश है।

हम सदा उन प्रोद्योगिकी विकासों का लाभ उठाने का प्रयत्न करते हैं जो हमारे प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और राष्ट्र भर के हमारे शिक्षकों को सुगम्य बना सके। हम स्वीकार करते हैं कि सभी संकाय सदस्यों के लिए प्रोद्योगिकी विश्वसनीय रूप से सुगम नहीं हो सकती। अत: हम अद्यतन प्रोद्योगिकी विकासों का अपने प्रशिक्षण में समावेश करने और उसे किसी को अगम्य और असमर्थ न होने के प्रति सावधान रहते हैं। प्रयोगशाला और अनुदेशात्मक सुविधाओं में सतत सुधार प्रतिभागियों को लाभप्रद अधिगम अनुभव को सुनिश्चित करते हैं और सजावट द्वारा पर्यावरण में परिवर्तन अधिक सुखद अधिगम अनुभव प्रदान करता है।

२०११-१२ का यह वर्ष विस्तार और विकास का काल रहा। इस वर्ष के दौरान

- *उद्योगों से तकनीकी ३५६४ शिक्षकों और कार्मिकों का प्रशिक्षण*
- *८ समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रमों के माध्यम से ४५ देशों से १३२ शिक्षकों, नीति विर्माताओं और शिक्षा प्रशासकों का प्रशिक्षण*
- *५८ उम्मीदवार डॉक्टोरल और मास्टर्स कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।*
- *राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के तहत ७६ ट्रेडों की पाठ्यचर्याओं का विकास किया*
- *१५६ अनुदेशात्मक संसाधनों का विकास (मुद्रणटाइप सामग्रियाँ, वीडियो और ई-लर्निंग सामग्रियाँ)*
- *पाँच करोड़ रुपयों की १८ अनुसंधान और विकास परियोजनाएँ चलाना*

यद्यपि सारी दुनिया में कई हजारों व्यक्तियों की आवश्यकताएँ हम पूरी करते हैं, सबसे अधिक संतोष तब होता है जब हमारे संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तिगत संकाय सदस्यों से उनकी राय सुनते हैं। वे चर्चाओं में भाग लेते हैं और हमारे संकाय सदस्यों को ई-मेल भेजते हैं। आपके अमूल्य समर्थन से हम अपने भावी कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्धता और विस्तृत भविष्य निरूपण तैयार करते हैं। यह आशा की जाती है कि पॉलिटेक्नीक / इंजीनियरिंग संस्थाओ के संकाय और प्रबंधन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अधिक संख्या में आगे आगे में और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के हमारे सामान्य प्रयास से अधिकतम लाभ उठाएँगे।

संस्थान ने शासक मंडल के अध्यक्ष डॉ. एस.आर.के. प्रसाद, शासक मंडल के अन्य श्रेष्ठ सदस्यों और साथ ही भरत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव, अपर सचिव, निदेशक, उप शिक्षा सलाहकार तथा अन्य अधिकारियों से अनवरत अभिप्रेरण प्राप्त किया है। मैं इस अवसर पर उनके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। इस वर्ष के दौरान प्रभावी शिक्षण के लिए तकनीकी शिक्षकों को तकनीकी शिक्षण के माध्यम से सिद्धहस्त बनाकर तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता की हमारी खोज में जिन्होंने हमें प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया उन सभी को मैं धन्यवाद अर्पित करता हूँ। मैं आशा करता हूँ और आश्वासन देता हूँ कि आनेवाले वर्षों में संस्थान उच्चतर स्तर की उपलब्धियाँ प्राप्त करता रहेगा।

प्रो.डॉ.एस. मोहन
निदेशक

विषय वस्तु सारणी

भाग - I

कार्यकलाप रिपोर्ट

1.0 प्रस्तावना 1

2.0 लक्ष्य 2

3.0 २०११-१२ के दौरान कार्यकलापों का केन्द्र बिन्दु 3

4.0 संकाय विकास कार्यक्रम 5

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम: 6

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम: 6

आ) एम.टेक (मा.सं.वि.) कार्यक्रम: 7

इ) समुद्रपार प्रशिक्षणार्थी पाठ्यक्रम: 7

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम: 13

अ) पॉलिटेक्नीक कॉलेज कार्यक्रम 13

आ) इंजीनियरिंग कॉलेज कार्यक्रम 19

4.3 उद्योग और अन्य संगठन कार्यक्रम 20

4.4 समझौता ज्ञापन 21

4.5 संचालित अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला 21

5.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास 28

6.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास 29

7.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाएँ: 30

8.0 राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम 32

9.0 पालिटेकनिक के जरिए समुदाय विकास योजना 34

10.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की मुख्य धारा में संयोजित करना 35

11.0 आभासी रा.त.शि.प्र.अ.सं.: 37

12.0 अंत: संरचना सुविधाओं का विकास 39

13.0 ई-गवर्नन्स परियोजना का कार्यान्वयन 39

14.0 हिन्दी भाषा के प्रयोग का कार्यान्वयन 40

15.0 अंत: रा.त.शि.प्र.अ.सं. खेल प्रतियोगिता 41

16.0 संकाय समाचार 43

17.0 आभार प्रदर्शन 47

18.0 शासक मंडल 47

भाग - II

लेखो पर रिपोर्ट

1.	भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट	61
2.	वार्षिक लेखा	65
	३१.०३.२०१२ को तुलनपत्र	66
	३१.०३.२०१२ को समाप्त वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा	67
	३१.०३.२०१२ को समाप्त अवधि/वर्ष का प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा	68
	अनुसूची - १ (आधार भूत / पूँजी निधि)	71
	अनुसूची - ३ (उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ)	72
	अनुसूची - ७ (चालू देयताएँ और प्रावधान)	73
	अनुसूची - ८ (अचल आस्तियाँ)	74
	अनुसूची - ११ (चालू आस्तियाँ, ऋण और अग्रिम)	75
	अनुसूची - १२-१८ (आय)	77
	अनुसूची - २०-२२ (व्यय)	79
	समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) ३१.०३.२०१२ को तुलन पत्र	81
	समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) ३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा	82
	समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) ३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष का प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा	83
	परियोजना लेखा - ३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र	84
	परियोजना लेखा - ३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा	86
	परियोजना लेखा - ३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय-व्यय लेखा	87
	अनुसूची - २५ (लेखे पर टिप्पणी - २०११-१२)	88
	उपयोग प्रमाण पत्र (गैर-योजना)	89
	उपयोग प्रमाण पत्र (योजना) - सामान्य	90
	उपयोग प्रमाण पत्र (योजना) - पूँजीगत आस्तियाँ	91
3.	भविष्य निधि लेखा	92
	भविष्य निधि लेखा - ३१.०३.२०१२ को तुलन पत्र	93
	भविष्य निधि लेखा - ३१.०३.२०१२ को समाप्त आय-व्यय लेखा	94
	भविष्य निधि लेखा - ३१.०३.२०१२ को समाप्त प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा	95

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई सोसाइटी और शासक मंडल

अध्यक्ष

डॉ. एस.आर.के. प्रसाद
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
कृष्ण औद्योगिक निगम लि.,
आर/ओ ८, ९, १० राजेश्वरी नगर,
सौरीपालयम,
कोयम्बत्तूर - ६४१ ०२८

सदस्य-सचिव

प्रो. डॉ. एस. मोहन
निदेशक
राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

सदस्य

भारत सरकार के शिक्षा तथा वित्त विभागों से मनोनीत प्रतिनिधि	**संयुक्त सचिव (टी ई एल)** उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१
	वित्त सलाहकार (म.सं.वि.) एकीकृत वित्त प्रभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - ११० ००१
तकनीकी शिक्षा के पाँच निदेशक	१. **तकनीकी शिक्षा आयुक्त** तकनीकी शिक्षा निदेशालय तमिलनाडु राज्य सरकार चेन्नै - ६०० ०२५

२. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
कर्नाटक राज्य सरकार
पेलस रोड, बैंगलूर - ५६० ००१

३. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
केरल राज्य सरकार
त्रिवेन्द्रम, केरल - ६९५ ०२३

४. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
डॉ. जीवराज मेहता भवन
ब्लॉक सं.२, II तल,
गाँधीनगर ३८२ ०१० - गुजरात राज्य

५. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
डी टी ई भवन आल्टो, पोर्वोरिम
बरडेज़, गोवा - ४०३ ५२१

अ.भा.त.शि.प. का प्रतिनिधि

डॉ. कुंचेरिया पी. आइसक
सदस्य सचिव
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
७वाँ तल, चंदरलोक बिल्डिंग,
जनपथ, नई दिल्ली - ११० ००१

मा.सं.वि.मं. द्वारा नामित दो उद्योगपति / तकनीकी पेशेवर

उद्योगपति	अभी भरना है
तकनीकी पेशेवर	अभी भरना है
संकाय प्रतिनिधि	**डॉ. वी.के. नटराजन** (०६.११.२०११ तक) प्रोफेसर और प्रधान संधारणीय विकास केंद्र रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै
	डॉ. सी. आर. नागेन्द्र राव (०७.११.२०११ से) प्रोफेसर और प्रधान रा.त.शि.प्र.अ.सं. विस्तार केन्द्र, हैदराबाद

1.0 प्रस्तावना

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (रा.त.शि.प्र.अ.सं.) चेन्नै भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्वायत्त संस्थान के रूप में सन् १९६४ में स्थापित किया गया ताकि भारत में विशेषकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) प्रणाली की गुणता में सुधार हो। इस अधिदेश को ध्यान मे रखते हुए संस्थान समुचित विधि द्वारा आवश्यकता आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम प्रदान करने की और पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक संसाधन विकसित करने की पहल कर रहा है। वह इंजीनियरिंग शिक्षा के अंतर्विषयी क्षेत्र में अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहन भी देता है और इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों, व्यावसायिक संस्थाओं, उद्योग सेवा क्षेत्र और व्यापक रूप से समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए परामर्श एवं विस्तार सेवा प्रदान करता है।

उक्त अधिदेश के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में रुचि रखनेवाले और या लाभान्वित होनेवाले राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों अभिकरणों को सहयोग देता है।

भविष्य दृष्टि

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै का भावी दृष्टिकोण यह है कि तकनीकी शिक्षा संस्थाओं, उद्योग और समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिगम संसाधनों, अनुसंधानात्मक अध्ययनों और विस्तार सेवाओं की योजना, अभिकल्पना, विकास कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण (टी वी ई टी) की श्रेष्ठता वर्धन में अग्रणी संस्थान के रूप में रहे।

हमारा लघु भविष्य दृष्टि कथन:

"तकनीकी शिक्षा में श्रेष्ठता को बढ़ावा देना"

मिशन

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै भारत में, खासकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) के गुणसुधार के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित एक संसाधन संगठन है।

मिशन के निम्नलिखित अंश हैं जिनके लिए संस्थान प्रतिबद्ध है:

- विभिन्न विधाओं में, जिनमें वेब आधारित विधा भी शामिल है, तकनीकी शिक्षकों के लिए उच्च गुणवत्ता, लचीला, सुसंगत तथा लागत प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- उद्योग और समुदाय की परिवर्तनशील आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गतिशील, अग्रगण्य कार्यक्रम चलाकर नेतृत्व का प्रदर्शन करना।
- तकनीकी शिक्षकों को प्रभावशाली व सक्षम सेवा प्रदान करने के लिए मानित विश्वविद्यालय के रूप में विकसित होना।
- इंजीनियरिंग और शिक्षा की समस्याओं को अनुसंधान और विस्तार कार्यकलापों सुलझाने में सहायता देना।
- देश में तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए कटिबद्ध उद्योग प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अन्य अभिकरणों के साथ सहयोग स्थापित करना और पोषण करना।

आभ्यांतरिक मूल्य

शिक्षकों और परिणामस्वरूप छात्रों को हमारी सेवा के आभ्यंतरिक मूल्य के शीर्षक निम्न प्रकार है।

- गुणवत्ता
- टीम कार्य
- अनवरत अधिगम के लिए कर्मचारी विकास
- खुलापन और पारदर्शिता
- ग्राहक फोकस
- सामाजिक उत्तरदायित्व

2.0 लक्ष्य

संस्थान के लक्ष्य निम्नांकित है:

- ✓ सेवार्थी प्रणाली के अनुसार क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेक्नीको व्यावसायिक और प्रबंधन शिक्षा संस्थाओं सहित सभी संस्थाओं का समावेश करते हुए शिक्षकों को गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ सहकारी शिक्षा योजना द्वारा तकनीकी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
- ✓ तकनीकी शिक्षा प्रशिक्षण प्रणाली तथा उसके प्रबंधन के विकास के लिए अनुसंधान जानकारी प्रदान करने हेतु क्रमबद्ध अनुसंधान कार्य करना।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में शिक्षण व अध्ययन के पर्यावरण को सुधारने के लिए नवीन नवप्रवर्तित पद्धति, प्रक्रिया तथा अभ्यासों के विकास पर अनुसंधान कार्य करना और मार्गदर्शन करना।

- ✓ बहुमाध्यमिक अध्ययन सामग्री के उत्पादन के लिए नयी अनुदेशात्मक प्रणाली तथा संरचनात्मक विधान बनाना।
- ✓ शैक्षिक व्यावसायिक संस्थाओं तथा अन्य संगठनों के लिए पाठ्यपुस्तकें, प्रयोगशाला पुस्तिका, वीडियो कार्यक्रम, कंप्यूटर पर आधारित प्रशिक्षण तथा मल्टीमीडिया पेकेजों का विकास तथा प्रसार।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों के लिए दूरस्थ शिक्षा द्वारा अत्याधुनिक प्रोद्योगिकी का प्रयोग कर कार्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों को विशेषकर सार्क व आशियान देशों की मांग के लिए उपयुक्त कार्यक्रम व पाठ्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ फेलोशिप, छात्रवृत्ति, पुरस्कार तथा पदक देने की व्यवस्था करना।
- ✓ समुदाय एवं उद्योग को सतत व अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन करने और विस्तार एवं परामर्श सेवा प्रदान करने के लिए सहयोग देना।
- ✓ उद्योग तकनीकी संस्थाओं / संगठनों के लिए परामर्श और विस्तार कार्य करना।
- ✓ प्रत्येक राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारत सरकार के अनुमोदन से विभिन्न राज्यों में संस्थान के विस्तार केंद्रों की स्थापना करना।
- ✓ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली से संबंधित भारत सरकार की सेवाओ का मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय समय पर सौंपे गए कार्यों की समर्थित सेवा प्रदान करना।
- ✓ पूर्णत: या अंशत: संस्था के समान उद्देश्य वाले विश्व के किसी भाग के शैक्षिक या अन्य शैक्षिक संस्थओं को परस्पर शिक्षकों का विनिमय तथा उनके सामान्य उद्देश्य के लिए सहायक अन्य आवश्यक कार्यक्रमों व सेवाओं का आयोजन।

3.0 २०११-२०१२ के दौरान कार्यकलापों का केंद्रबिंदु

एक गतिशील संस्थान के रूप में अपने कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों को अति विनिर्दिष्ट रुप से समय समय पर पुन: अभिमुख किया जाता है जिससे सेवार्थी तंत्रों की बदलती मांगों की पूर्ति अग्रगामी रूप से की जा सके। २०११-२०१२ के दौरान संस्थान ने कार्यक्रमों, परियोजनाओं और कार्यकलापों को निम्नलिखित पाँच प्रमुख क्षेत्रों के अधीन ग्रहण किया है। यथा (i) संकाय विकास, (ii) पाठ्यचर्या परिवर्धन, (iii) अनुदेशात्मक संसाधन विकास, (iv) अनुसंधान व विकास, (v) विस्तार व परामर्श सेवाएं।

सन् २०११-२०१२ में निम्नलिखित कार्यकलापों पर संस्थान ने ध्यान केन्द्रीकृत किया:

१. इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और उद्योग के कार्मिको और पेशेवारों को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, अनुप्रयुक्त विज्ञान, अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, प्रत्यायन व्यूहात्मक योजना, शैक्षिक प्रबंधन, संस्थागत विकास, मानव संसाधन विकास, पाठ्यचर्या विकास और उद्यमवृत्ति विकास जैसे क्षेत्रों में अल्पावधि पाठ्यक्रम द्वारा प्रशिक्षण देना।

२. उद्योगों से शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए संगोष्ठियाँ चलाना।

३. इंजीनियरी कालेजों, पॉलिटेकनिकों के शिक्षकों और उद्योग के कार्मिकों को अंत: शास्त्रीय अनुसंधान कार्यों द्वारा अनुसंधान क्षमता बढ़ाना जिससे उनको पी एच डी उपाधि मिले।

४. एम.टेक. (मा सं वि) जैसे दीर्धकालीन कार्यक्रमों द्वारा इंजीनियरींग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और अन्य संस्थाओं के शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।

५. विदेशी प्रतिभागियों को विशेष रूप से अभिकल्पित कार्यक्रमों द्वारा विशेषज्ञ मत प्रदान करना।

६. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रमों का विकास और वर्तमान के पाठ्यक्रमों का पुनरीक्षण।

७. पॉलिटकेनीक और इंजीनियरिंग कॉलेज की पाठ्यचर्या के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण संसाधनों (सामग्री व माध्यम) का विकास।

८. तकनीकी शिक्षा प्रणाली के लिए संगत अनुसंधान व विकास परियोजनाओं का उत्तरदायित्व लेना।

९. तकनीकी शिक्षको और उद्योग के पेशेवरों के प्रशिक्षण के किए यथार्थ अधिगम कार्यक्रम विकसित करना और प्रदान करना।

१०. व्यावसायिक वृत्ति में चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षमताएँ बढ़ाने हेतु इंजीनियरी के स्नातकों और पॉलिटेकनिक और इंजीनियरिंग कालेजों के युवक और नव शिक्षकों के लिए परिष्करण कक्षाएँ चलाना।

११. निम्नलिखित योजनाओं / परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और परिवीक्षण के लिए विस्तार व परामर्श सेवायें प्रदान करना।

अ. पॉलिटेकनिक के जरिए सामुदायिक विकास योजना

आ. विकलांगों के लिए परियोजना

इ. राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन

ई. आई सी टी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन

उ. शिक्षकों और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन

ऊ. प्रत्यायन और नए पालिटेकनीकों के अनुमोदन को सुकर बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति का निरीक्षण

ऋ. इंजीनियरिंग / प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में तकनीकी और परामर्श सेवा।

ए. उद्योगों, सरकारी विभागों और सेवा संगठनों के लिए आवश्यकता पर आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम और परियोजनाएँ।

4.0 संकाय विकास कार्यक्रम

इंजिनीयरिंग कालेजों तथा पॉलिटेकनीक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम ही संस्थान का प्रमुख कार्यक्षेत्र है। इसे ध्यान में रखते हुए संस्थान में शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों तथा विदेशी शिक्षकों के लिए उनके अपने खास कार्यक्षेत्र में प्रवीणता हासिल करने योग्य विविध अल्पावधि व दीर्घावधि कार्यक्रमों की योजना बनाई गई और संचालन किया गया।

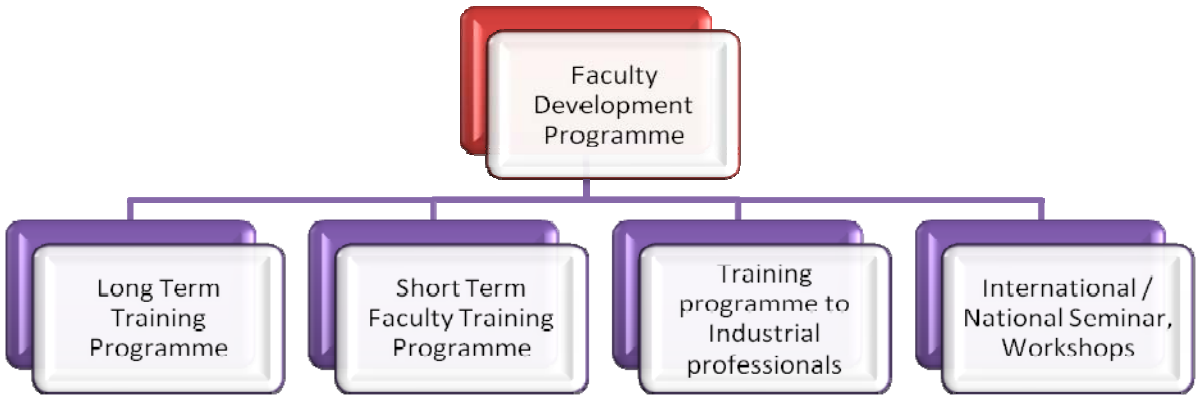

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम:

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम:

संस्था ने शिक्षा अनुसंधान कार्यक्रम के विकास के लिए अपना प्रबल प्रयास जारी रखा और साथ ही इंजीनियरी शिक्षा (अंत: शास्त्रीय) क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने के लिए उद्योगों और अन्य शिक्षा क्षेत्रों के तकनीकी शिक्षकों और कार्मिकों को प्रोत्साहित किया। इस संस्थान को मद्रास विश्वविद्यालय और अण्णा यूनिवर्सिटी, चेन्नई ने मान्यता प्राप्त डॉक्टरल अनुसंधान केंद्र माना है।

इस वर्ष के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय की इंजीनियरी शिक्षा (अंत: शास्त्रीय) के क्षेत्र में पी एच डी के लिए ४ छात्रों ने पंजीकृत किया है। आज तक कुल ५४ छात्र संस्था के पी एच डी कार्यक्रम में पंजीकृत हुए हैं।

निम्नलिखित पाँच अनुसंधान विद्वानों को इस वर्ष के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग शिक्षा में पी एच डी की उपाधि प्रदान की गई।

सारणी १ प्रदत्त पी हेच.डी. डिग्री के विवरण

क्रम. सं.	नाम और उम्मीदवार का संस्थागत संबंधन	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	डिग्री पाने की तिथि
१.	श्री एस. मुत्तुवेल्लयाप्पन उ म.प्र. टीवीएस. लाजिस्टिक्स सविसिस लि. २५ ए/२ सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, अम्बत्तूर, चेन्नई	अंतराष्ट्रीय नियत कार्य के लिए प्रबंधकीय कार्मिकों की तैयारी में भारतीय विश्व व्यापी निगमों के सामने पेश आनेवाली हेचआरएम चुनौतियों पर अध्ययन	डॉ. वी. तणिकाचलम, भूतपूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पत्राचार विभाग	०२.०६.२०११
२.	श्री सी.वी. सुरेश बाबु प्रिंसिपल सत्यसाई बी.एड कालेज आवड़ी, चेन्नई	इंजीनियरिंग कालेजों में कम्प्यूटर विज्ञान अधिगम में अभिनयात्मक अधिगम पर अध्ययन	डॉ. बी.जी. बर्की भूतपूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग	२३.०९.२०११
३.	श्री एम. वेंकट कामेश्वर- शर्मा रामको सिस्टम्स, चेन्नई	निष्पादन वर्धन के लिए संगठनों की बुद्धि सक्षमता पर अध्ययन	डॉ. बी. मुखोपाध्याय भूतपूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, शैक्षिक प्रबंधन और अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान	३१.१०.२०११
४.	श्री बी. कनगसुंदरम स.प्रोफेसर मोहम्मद सतक इंजी. कॉलेज, कीलकरै	यांत्रिक इंजीनियरिंग के इंजीनियरी आलेख के लिए अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी	डॉ. टी. ज्ञान संबंधन, ईडीपी प्रबंधक और कम्प्यूटर केंद्राध्यक्ष	१५.११.२०११
५.	श्री एम. पोन्नुस्वामी वाइस प्रिंसिपल एस.ए. इंजी. कॉलेज चेन्नई	इंजीनियरिंग संस्थानों में विभागाध्यक्षों का निष्पादन प्रबंधन	डॉ. वी. तणिकाचलम, भूतपूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पत्राचार विभाग	२८.०३.२०१२

कुल ५२ छात्रों को पी.हेच डी उपाधि दी गई।

पी हेच.डी. प्रगति समीक्षा बैठकें:

प्रति छह महीने में एक बार पी हेच.डी. छात्रों की प्रगति की निगरानी करने के लिए समीक्षा बैठकों चलाने की प्रणाली वर्ष २००९ को प्रारंभ की गई। इस पहल का उद्देश्य निर्माणात्मक मूल्यांकन और रचनात्मक, प्रतिपुष्टि के जरिए अनुसंधान कार्य की गुणता बढ़ाना है। वर्ष के दौरान पुनरीक्षण समिति ने दि.१८-२७, अप्रैल २०११ को चौथी प्रगति पुनरीक्षण बैठकों का आयोजन किया। कुल ४९ शोध छात्रों को शोध पत्र प्रस्तुत किया। पाँचवी प्रगति पुनरीक्षण बैठेकें दि.१८-२९, अक्तूबर २०११ को बुलाई। कुल ४७ छात्रों ने अपना कार्य समीक्षा समिति के सामने प्रस्तुत किया और उपयोगी प्रतिपुष्टि और सुझाव प्राप्त किए। समिति ने पुन: प्रगति समीक्षा बैठक १३ दिसंबर २०११ को पाँच शोध छात्रों के लिए का आयोजन किया।

आ) एम. टेक (मा सं वि) कार्यक्रम:

यह कार्यक्रम चार सत्रों में चलाए जाते हैं। इसका प्रमुख उद्देश्य है तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सक्षम संसाधन विकास कर्ताओं को उत्पन्न करना।

प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार और निष्पादन, औद्योगिक समाज विज्ञान, उद्योग में मनो विज्ञान, मा.सं.वि. में अनुसंधान प्रणाली विज्ञान, मा.सं.वि. में कम्प्यूटर अनुप्रयोग और सूचना प्रोद्योगिकी, संगठनात्मक विकास, रूपांतरण तथा री-इंजिनीयरिंग, मानव संसाधन विकास, सामरिक मानव संसाधन विकास, अभिकल्पन तथा प्रबंध मानव संसाधन पद्धति, संस्थागत मूल्यांकन तथा विकास तथा मा.सं.वि. के लिए पाठ्यक्रम वार विकास आदि इस कार्यक्रम के अंतर्गत आते हैं।

इस वर्ष सातवें बैच के ४ छात्रों ने इस वर्ष के दौरान पढाई जारी रखी। अब तक कुल ८० अभ्यर्थियों ने इस कार्यक्रम को सात बैचों में सफलता पूर्वक पूरा किया है।

इ) समुद्रपार प्रशिक्षार्थी पाठ्यक्रम:

वर्ष २०११-१२ के दौरान संस्थान ने आई टी ई सी कार्यक्रम और उसका उप निगमन स्काप (विशेष राष्ट्र मंडल अफ्रीका सहायता कार्यक्रम) के तहत समुद्रपार प्रतिभागियों के लिए आठ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। एशिया, पूर्व यूरोप (पूर्व यू.एस.एस.आर. सहित), पध्य एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका, करीबियन, पैसफिक और छोटे द्वीप देशों में १५८ देशों से असैनिक व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए इसको भारत सरकार से पूरी निधि प्राप्त है। पिछले ३० वर्षों से आई टी ई सी के अधीन विभिन्न कार्यकलापों के परिणामस्वरूप अन्य देशों में रा त शि प्र अ सं., चेन्नई द्वारा प्रदत्त सेवा और सक्षमता के बारे में अधिक दृश्यता और बढ़ती अभिज्ञा उत्पन्न हो गई है। इन वर्षों में विदेश

मंत्रालय के तकनीकी और आर्थिक सहायता ने विकासशील देशों में सर्वाधिक सद्भावना और यथेष्ट सहयोग उत्पन्न किया है। अंतरर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र विषय समन्वयकों के साथ कार्यक्रम का समन्वय करता है।

सारणी २: २०११-१२ के दौरान अष्ट सप्ताही ओ टी सी कार्यक्रम

पाठ्यक्रम	समन्वयक
पाठ्यचर्या अभिकल्पन और अनुदेशात्मक सामग्री विकास	डॉ. एस. धनपाल
जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि	डॉ. एस. मोहन तथा डॉ. जी. जनार्दनन
राष्ट्रीय संवृद्धि पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा का विकास करना	डॉ. जी. कुलन्दैवेल तथा डॉ. जी. जनार्दनन
आधुनिक पुस्तकालय पद्धति	डॉ. आर. रविचंद्रन
शैक्षिक वीडियो रचना	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश
संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन	डॉ. एस. मोहन तथा डॉ. जी. जनार्दनन
तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तीकरण	डॉ. एस. रेणुकादेवी
मानव संसाधन विकास	डॉ. एस. रेणुकादेवी

सारणी ३: राष्ट्र द्वारा नामांकन: २०११-१२

देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या
अफ़्गानिस्तान	७	नाइजीरिया	३	भूटान	३
म्यान्मार	८	जिम्बाब्वे	८	ईजीप्ट	१
सूडान	९	बेलारूस	१	ईथोपिया	२
उज्बेकिस्तान	३	कोटे द आइवरी	४	फिजी गणराज्य	२
मॉरीशस	६	लबेनान	१	इण्डोनेशिया	१
नांबिया	२	मेडागास्कर	१	लाओस	३
तंजानिया	२	श्रीलंका	८	नेपाल	२
घाना	३	यमन	४	वियतनाम	३
कम्बोडिया	६	बोत्सवाना	२	कांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य	१
युगाण्डा	४	बंर्किन फासो	४	ग्वाटेमाला	१
ज़ाम्बिया	५	चिली	१	जोर्डन	२
बांग्लादेश	२	फिलिस्तान	२	जार्जिया	१
सीरिया	२	बुलगारिया	१	गिनी	१
केन्या	३	चाड	१	ओमान	२
लेसोथो	२	कोलम्बिया	१	गाम्बिया	१
				कुल उम्मीदवार	**१३२**

i. "पाठ्यचर्या आयोजन और अनुदेशात्मक सामग्री विकास" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है पाठ्यचर्या अभिकल्प के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना और समुचित अनुदेशात्मक सामग्री का विकास करना। इस पाठ्यक्रम के ३०वें बैच का संचालन इस संस्थान के पाठ्यचर्या विकास केंद्र द्वारा ३ अगस्त से २७ सितंबर २०११ तक किया गया। आठ देशों से चौदह उम्मीदवारों ने कार्यक्रम में भाग लिया - यथा - अफगानिस्तान, घाना, मॉरीशस, म्यांमार, नाम्बिया, सूडान, तंजानिया, और उज्बेकिस्तान। अब तक (३० बैच सहित) कुल ५४३ समुद्रपार शिक्षक इस पाठ्यक्रम द्वारा प्रशिक्षित हुए।

ओ टी सी कार्यक्रम - २०११-१२

ii. "जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है उन्नत निगरानी, अच्छी प्रयोगशाला अभ्यास तकनीक, प्रभावी प्रयोग और विधिक प्रवर्तन और संस्थागत व्यवस्था के जरिए जल गुणवत्ता के क्षेत्र में अभिनव परिवर्तन और प्रभावनीय विकास प्रदान करना। इस पाठ्यक्रम का द्वितीय बैच संस्थान के पर्यावारण प्रबंधन केंद्र ३ अगस्त से २७ सितंबर २०१० तक चलाया गया। पाँच देशों के आठ प्रत्यशियों ने भाग लिया यथा - अफगानिस्तान, कम्बोड़िया, म्यन्मार, नाइजीरिया और जिम्बाब्वे। इस पाठ्यक्रम को १२ पाठ्यचर्या माड्यूल वाली तीन प्रमुख इकाइयों में संरचित किया गया। पूर्व स्थित संबंधित पाठ्यक्रमों में (पाठ्य और भाषण टिप्पणी आधारित) संयोजित भाषणों के साथ यह पाठ्यक्रम उचित मिश्रण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम ने संसाधन विकास, प्रभाव और प्रबंधन के माध्यम से विषय का समन्वेषण किया।

जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला सत्र

iii. राष्ट्रीय संवृद्धि पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा के विकास पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र ने ५ अक्टूबर से १६ नवंबर २०११ तक प्रथम बैच का आयोजन किया। १२ देशों से सत्रह प्रतिभागियों ने भाग लिया यथा अफगानिस्तान, बेलारुस, बोत्स्वाना, कोटे द आइवरी, लेबनान, मेडगास्कर, मारीशस, म्यांमार, नाम्बिया, श्रीलंका, सूडान और यमन। इस कार्यक्रम का मुख्य केन्द्र बिंदु कौशल कामगारों से लेकर इंजीनियरों / प्रोद्योगिकों / प्रबंधकों तक विकासशील उद्योगों की मानव संसाधन आवश्यकतों का मूल्यांकन करना था। सार्वजनिक निजी प्रतिभाग के माध्यम से तकनीकी शिक्षा संस्थानो के गठन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विकास पर परिणाम केंद्रित रहा।

डी टी ई एन जी पाठ्यक्रम समापन समारोह

iv. आधुनिक पुस्तकालय पद्धति पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सू प्रो. आधारित ई एक्सस की सुविधा प्रदान करने के लिए सक्षमता का विकास करना यथा पुस्तकालय प्रक्रिया को मार्ग दिखाना, उप योगकर्ताओं में पढ़ने की अभिरुचि को प्रोत्साहित करना और बढ़ाना - संग्रह, सेवाएँ और सुविधाएँ संचालित और विकसित करना। इस पाठ्यक्रम का संचालन इस संस्थान के संसाधन केंद्र द्वारा १३ अक्तूबर से ७ दिसंबर २०११ तक किया गया। १६ देशों से बाईस प्रतिभागी इस पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे यथा भूटान, मिस्र, ईथोपिया, घाना, इंडोनेशिया, लाओस, मॉरीशस, म्यांमार, नेपाल, फिजी गणतंत्र, श्रीलंका, सूडान, युगाण्डा, वियतनाम, जाम्बिया और जिम्बाब्वे।

आधुनिक प्रयोगशाला अभ्यास - पाठ्यक्रम प्रतिभागी

v. "शैक्षिक वीडियो रचना" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है प्रतिभागी अपने विषयों पर वीडियो फिल्म स्वयं बना सके। इस पाठ्यक्रम का पाँचवाँ बैच १३ अक्टूबर से ७ दिसंबर २०११ तक शैक्षिक मीडिया केंद्र द्वारा चलाया गया। १० देशों से चौदह प्रतिभागियों ने भाग लिया - यथा बांग्लादेश, बार्किना फासो, चिली, मोरीशस, नाइजीरिया, फिलिस्तीन, फिजी गणतंत्र, सूडान, यमन और जिम्बाब्वे। अब तक (पाँचवाँ बैच सहित) कुल ४३ समुद्रपार शिक्षक इस पाठ्यक्रम द्वारा प्रशिक्षित हुए।

कार्यक्रम के दौरान शैक्षिक वीडियो रचना

vi. "संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सकरात्मक समाजगत सूचना और संधारणीय भविष्य के लिए अपेक्षित मूल्यों, व्यवहारों और जीवन शैलियों को मन में बैठाना है।

योग्यता प्रदायक लक्ष्य हैं:

अ. संघारणीय पर्यावरणीय विकास और सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं को समझने के लिए विधियों और अभिगमों का बोध उत्पन्न करना।

आ. पर्यावरण पर विकासात्मक परियोजना के प्रभाव के मूल्यांकन की विधि प्रदान करना और उचित सुधारात्मक उपाय सुझाना।

इ. संघारणीय विकास के लिए शिक्षा में शिक्षण और अधिगम की वर्धित गुणवत्ता को बढ़ावा देना।

गाँव प्रस्थान, निवास और अन्योन्य क्रिया

इस पाठ्यक्रम का द्वितीय बैच पर्यावरण प्रबंधन केंद्र ने १८ जनवरी से १५ मार्च २०१२ तक संचालन किया।

तुववकुडि काफी अनुसंधान केंद्र को प्रस्थान

१३ देशों के पच्चीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। यथा बोत्सवाना, कम्बोडिया, कांगो प्रजातात्रिक गणराज्य ग्वाटेमाला, जोर्डन, केन्या, लेसोथो, श्रीलंका, सूडान, सिरिया, तंजानिया, वियतनाम और जाम्बिया। भारत में कार्यान्वयित

संधारणीयता पद्धतियों के बारे में ग्रामवासियों के साथ रहना और उनसे बातचीत करना पाठ्यक्रम का मुख्यांश था। कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में प्रतिभागियों को विस्तृत परिचय मिला। अब तक (दूसरा बैच सहित),इस पाठ्यक्रम के द्वारा संस्थान ने ४४ समुद्रपार शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है।

vii. "मानव संसाधन विकास" में उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

विभिन्न सरकारी तथा उद्योगों के विभागों के संसाधन प्रबंधकों को प्रशिक्षण देना इस पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है जिससे मा सं वि कार्यक्रमों तथा परियोजना का आयोजन तथा कार्यान्वयन हो सके। इसके पाँचवें बैच का समन्वयन इस संस्था के पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग द्वारा १८ जनवरी से १५ मार्च २०१२ तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में २१ अभ्यर्थियों ने १८ देशों से यथा भूटान, बुलगारिया, बर्किना फासो, चाड, कोलम्बिया, ईथोपिया, गाम्बिया, जार्जिया, गैनिया, कोटे द आइवरी , केन्या, लाओस, नेपाल, नाईजीरिया, ओमान, युगाण्डा, और जिम्बाब्वे भाग लिया। अबतक (पाँचवें बैच सहित) कुल ८८ समुद्रपार शिक्षक इस पाठ्यक्रम में संस्थान के द्वारा प्रशिक्षित हुए।

मा सं वि पाठ्यक्रम के प्रतिभागी

viii. "तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

यह कार्यक्रम स्त्रियों में सही रूप से अपने अपने देशों में स्त्री सशक्तिकरण बढ़ाने में सही रण नीति को अपनाने के लिए तथा अपने देश में इसी रण नीति का उपयोग करने के लिए बनाया गया। इसके पाँचवें बैच का संचालन इस संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा १८ जनवरी - १५ मार्च २०१२ तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में कुल ११ अभ्यर्थियों ने नो देशों से भाग लिया। यथा बार्किना फासो, कम्बोड़िया, घाना, लाओस, श्रीलंका, सूडान, युगयाण्डा, यमन, जिम्बाब्वे। अब तक (पाँचवें बैच सहित) कुल ५६ समुद्रपार शिक्षक इस पाठ्यक्रम में संस्थान के द्वारा प्रशिक्षित हुए।

डब्ल्यू ई टी वी सी पाठ्यक्रम के प्रतिभागी

समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रम के मुख्य कार्यक्रम:

→ भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग योजना (ITEC) और विदेश मंत्रालय के विशेष राष्ट्रमंडल आफ्रिका सहायता कार्यक्रम (SCAPP) और भारत सरकार के वित्त मंत्रलाय की कोल्मबो योजना की तकनीकी निगम योजना (TCS) द्वारा ऊपर उल्लिखित आठ पाठ्यक्रमों के लिए प्रतिभागियों की प्रतिनियुक्ति की गई।

→ इस कार्यक्रम में ४५ देशों से कुल १३२ व्यक्तियों ने (शिक्षक व प्रशासकगण) इस कार्यक्रम में भाग लिया।

→ संगोष्ठियों व व्यक्तिगत परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी व्यक्तिगत प्रस्तुती पेश की।

→ इस यात्रा के दौरान प्रतिभागी भारत की संस्कृति तथा परंपरा से परिचित हुए।

→ उनके द्वारा दी गई प्रतिपुष्टि में उन्होंने बताया है कि उनको जो प्रशिक्षण दिया गया वह अत्यंत प्रभावोत्पादक एवं लाभदायक रहा है।

→ भारत का संभार तंत्र तथा भारत में ठहरने में उनका अनुभव हर्षदायक रहा है।

→ उन्होंने आश्वासन दिया है, कि वापस जाने पर जो क्षमता उन्होंने अर्जित की है उसका स्वदेश में अपने काम में पूरा-पूरा उपयोग करेंगे।

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम:

अ) पॉलिटेकनिक अध्यापकों के लिए अल्पावधि पाठ्यक्रम

इस संस्थान ने भारत सरकार की 'योजना गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम' (QIP) का कार्यान्वयन जारी रखा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यही है कि अपेक्षकृत कम समय में अधिक संख्या में एक से दो सप्ताहों के अंतर्गत लघुअवधि कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम द्वारा अधिक संख्या में शिक्षकों की योग्यता बढाना। अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों का ज्ञान बढ़ाने और अद्यतन प्रोद्योगिकी से परिचित कराने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक से दो सप्ताहों के अंतर्गत प्रशिक्षण - पुन: प्रशिक्षण के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का लगातार पुनरीक्षण, संशोधन, पुन: अभिकल्पन किया जाता है ताकि शिक्षिकों की सदा विकास शील एवं परिवर्ती आवश्यकता की पूर्ति हो सके।

पाठ्यक्रम के प्रतिभागी

प्रत्येक दक्षिण राज्य के पॉलिटेकनिक के शिक्षकों की विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को यथा अपेक्षित कार्यशालाओं के जरिए पहचाना गया। प्रत्येक राज्य एक के हिसाब से ऐसी चार कार्यशालएँ चलाई गई। इन पाठ्यक्रमों के विवरण, समयावधि, स्थान आदि का निर्णय कार्यक्रम विकास समिति बैठक में लिया गया जिसमें तकनीकी शिक्षा निदेशालय के प्रतिनिधियों तथा चयनित पालिटेकनीक्स के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया था। इस बैठक से यह सुनिश्चित किया गया कि ऐसे नियोजित अभिकल्पित और संचालित कार्यक्रम शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकता पूरा कर सके। ये कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम संस्थान, उसके विस्तार केंद्रों तथा चयनित पालिटेकनिक्स में आयोजित किए गए। उद्योगों और आई आई टी जैसे प्रसिद्ध संस्था के विशेषज्ञों, सी एस आई आर प्रयोगशालाओं की प्रतिभागिता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभावात्मकता बढ़ाई की। अधिकतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उद्योग केंद्रों में जाना एक अनिवार्य अंग रहा।

इस वर्ष निम्न विषयों से संबंधित पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी में विषय वस्तु को अद्यतन बनाना
- अनुदेशात्मक अभिकल्पना और प्रस्तुति प्रणाली
- छात्रों के निष्पादन का मूल्यांकन
- विद्यार्थी सेवाएँ
- मल्टीमीडिया विकास
- पुस्तकालय स्वचलीकरण

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान इस क्षेत्र का निष्पादन बहुत प्रभावी रहा है। इसके अंतर्गत १३४ पाठ्यक्रम को चलाये गये तथा कुल **२४७१** अभ्यर्थियों ने पालिटेकनीक से भाग लिया जिनमें से (पुरुष : १७१८, स्त्री : ७५३) थे। इस प्रकार अब तक **३३८८ पाठ्यक्रमों** के माध्यम से **६१,७२० शिक्षक प्रशिक्षित** हुए हैं।

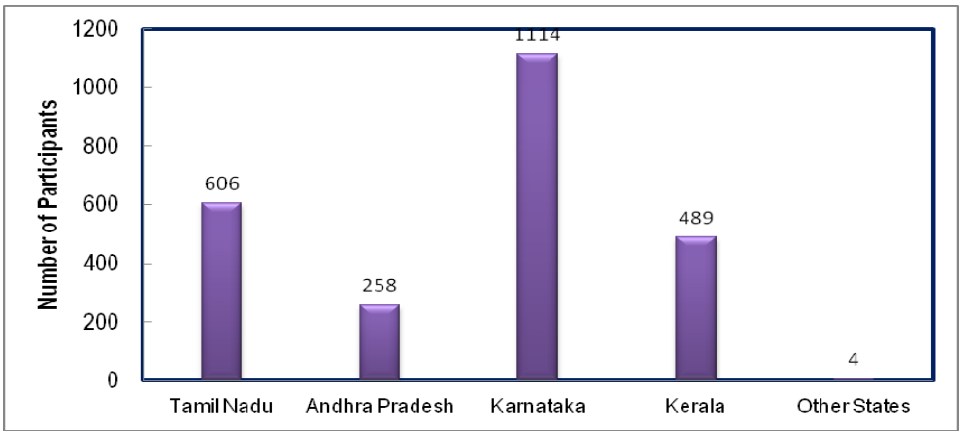

सारणी ४: पालिटेकनीक पाठ्यक्रमों में नामांकन: २०११-१२

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
रा त शि प्र अ सं परिसर		
१	ई-विषय वस्तु विकास	०७
२	आटो कैट का उपयोग करते हुए इंजीनियरिंग	२४
३	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक मापन	१९
४	भूगोलीय सूचना पद्धति और मान चित्रण	१९
५	जावा प्रोग्रामिंग	०६
६	शिक्षण के लिए मल्टी मीडिया	१९
७	कम्प्यूटर विज्ञान और संबंद्ध शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो रचना कार्यशाला	०७
८	अनुदाशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	०९
९	उच्चतर विनिर्माण तकनीक	०७
१०	असैनिक एवं वास्तुकला शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो रचना कार्यशाला	१२
११	मृदुकौशल	२९
१२	वी हेच डी एल का उपयोग करते हुए अंकीय अभिकल्पना और एफ पी जी ए का उपयोग करते हुए कार्यान्वयन	१८
१३	विद्युत कैड	१४
१४	टोटल स्टेशन और जी पी एस का उपयोग करते हुए सवेक्षिण	२१
१५	इलेकट्रॉनिकस और संबंद्ध शाखाओं के लिए शैक्षिक वीड़ियो रचना	०९
१६	शिक्षण के लिए मल्टीमीडिया	१५
१७	लाइनक्स ओ एस और सर्वर ऐड्मिनिस्ट्रेशन	०९
१८	शैक्ति इलेक्ट्रानिक्स और चालन	२३
१९	वेब प्रोद्योगिकी	१०
२०	संप्रेषण कौशल	१०
२१	मार्गदर्शन और परामर्श	३२
२२	कम्प्यूटर नेटवर्किंग	२७
२३	अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत	१८
२४	शैक्षिक प्रबंधन	०६
२५	ई इंजीनियरिंग पर पुस्तकालय पुस्तिका के पुनरीक्षण और प्रमाणीकरण पर कार्यशाला	१७
२६	पर्यावरणीय इंजीनियरिंग प्रयोगशाला पद्धति	१३
२७	ई विषय वस्तु के लिए आरेख और ग्राफिक विकास	१४
२८	सी एन सी मशीन	१८
२९	सी प्रोग्रामिंग	२५
३०	पी एल सी और स्कडा	१८
३१	८०५१ माइक्रो नियंत्रक और अनुप्रयोग	११
३२	निर्माण सामग्रियाँ और तकनीक	१३
३३	यांत्रिक और संबंद्ध शाखा शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो रचना कार्यशाला	१५

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
३४	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	११
३५	रिफ्रिजरेशन और वातानुकूलन	१०
३६	ए एस पी नेट	१४
३७	अंकीय और मोबाइल संप्रेषण	०९
३८	प्रश्न पत्र की तैयारी और छात्रों के निष्पादन का मूल्यांकन	२२
३९	टोटल स्टेशन और जी पी एस का उपयोग करते हुए सर्वेक्षण	२२
४०	मृदु कौशल	३०
४१	टैली (मूल)	१६
४२	पुस्तकालय रचचालन-खुला स्रोत साफ्टवेर	२५
४३	आधायित पद्धति	३०
४४	ऑरेकिल का उपयोग करते हुए आर डी बी एम एस	२२
४५	शैक्षिक प्रोद्योगिकी में विकसित प्रकृत्तियॉ	२२
४६	भा.मा. ८०० -२००७ के अनुसार श्स्पात संरचनाओं का सीमा स्थिति अभिकल्प	१६
४७	ई-विषयवस्तु के लिए मूल्योंकन मदों का विकास	०८
४८	मैटलेब प्रोग्रामिंग	३०
४९	संप्रेषण कौशल	१५
५०	सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग	१३
५१	कम्प्यूटर आश्रित अभिकल्प और विनिर्माण	११
५२	जैव चिकित्सकीय मापयंत्रण और टेलीमेडिसिन	१६
५३	वी.बी नेट	०७
५४	भू तकनीकी इंजीनियरिंग	०९
५५	ई-विषय वस्तु और अधिगम प्रबंधन पद्धति	११
५६	संरचनाओं के विश्लेषण और अभिकल्प में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	१३
५७	अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी पद्धति	१२
५८	ऑर्काड-कैप्चर, सिमुलेशन और पीसीबी ले आउट	१८
५९	खुला दफ्तर	३३
६०	छात्र मूल्यांकन	१२
६१	आटोमोबाइल उद्योग में आधुनिक प्रवृत्तियाँ	१२
६२	औद्योगिक मापयंत्रण और अनुसंधान प्रणाली विज्ञान	०७
६३	इंजीनीयरिंग शिक्षा में अनुसंधान प्रणाली विज्ञान	१३
६४	इलेक्ट्रानिक्स में परियोजनाएँ	०७
६५	औद्योगिक स्वचलन के लिए रोबोटिक्स और मेकाट्रानिक्स	१०
६६	ऊर्जा प्रबंधन और संसाधन	१०
६७	ए आर एम नियंत्रक और आर टी ओ एस	०९
६८	एक्स एम एल और वेब सेवाएँ	०६
६९	कम्प्यूटर विज्ञान / आई टी शाखा शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो फिल्म निर्माण पर कार्यशाला	०७

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
७०	मृदु कौशल	१७
७१	अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी पद्धति	४२
७२	टी वी ई टी संस्था का प्रत्यायन और प्रमाणीकरण	०९
७३	उच्च स्तरीय शक्ति इलेक्ट्रानिक्स	१९
७४	पाठ्यचर्या विकास - प्रणाली विज्ञान	१५
७५	मोबाइल कमप्यूटिंग	२१
७६	तापन संवातन और वातानुकूलन	२७
७७	पुस्तकालय स्वचालन - खुला संसाधन साफ्टवेर	२४
७८	हरित भवन संकल्पना और संधारणीय विकास	१२
७९	परियोजना प्रबंधन के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग	१९
८०	विज्ञान और मानविकी के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो रचना कार्यशाला	१४
८१	पी एल सी पर उच्चतर पाठ्यक्रम	११
८२	ओ ओ पी और ओ ओ ए डी के सिद्धांत	१४
८३	अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी प्रणाली	०९
८४	नानो प्रोद्योगिकी और अनुप्रयोग	२२
८५	ठोस कचरा प्रबंधन	१२
८६	डेटा संप्रेषण और कम्प्यूटर नेटवर्किंग	२७
८७	संरचनाओं की मरम्मत और पुनरुद्धार	२१
८८	अपारंपरिक मशीनन और अविनाशकारी परीक्षण	१५
८९	अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी प्रणाली	१३
९०	शक्ति प्रणाली में आधुनिक प्रवृत्तियाँ	१५
९१	मॉडलिंग और अनुप्राणन जिसमें उडी मैवस का उपयोग हो	२७
९२	वीडियो रचना के लिए आरेख और अनुश्राणन	१३
९३	ऊष्मीय शक्ति इंजीनियरिंग	२०
९४	शक्ति इलेक्ट्रानिक्स	१५
९५	डिजिटल कन्टेन्ट रिपोस्टरी के लिए डी एस पी ए सी ई	०९
९६	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में कौशल पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या विकास पर कार्यशाला	११
९७	लैब व्यू प्रोग्रामिंग	२५
९८	संकाय का व्यावसायिक विकास	१४
९९	भूकंप प्रतिरोधी संरचनाओं का अभिकल्प	२१
१००	मेटलैब और लैब व्यू प्रोग्रामिंग	२०
१०१	कम्प्यूटर आश्रित विनिर्माण और माप पद्धति	२५
रा त शि प्र अ सं - विस्तार केन्द्र - बेंगलूरु		
१०२	इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग के लिए सी ए एस पी	१८
१०३	प्रवेश कार्यक्रम	२८
१०४	यांत्रिक इंजीनियरिंग / आटो मोबाइल के लिए सी र एस पी	२५

क्रम. सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
१०५	भारतीय संविधान, संसद	३२
१०६	सिविल इंजीनियरिंग के लिए सी ए एस पी	२७
१०७	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए सी ए एस पी	२५
१०८	प्रवेश कार्यक्रम	४२
१०९	भारतीय संविधान, संसद	३२
११०	भारतीय संविधान, संसद	२६
१११	भारतीय संविधान, संसद	३९
११२	अन्य प्रोद्योगिकी और वाणिज्यिक पद्धति	१७
रा त शि प्र अ सं - विस्तार केन्द्र - हैदराबाद		
११३	इंजीनियरिंग आरेख और कैड २डी	२८
११४	कम्प्यूटर यंत्र सामग्री और नेट वर्किंग	१५
११५	सॉलिड एड्ज एस टी५ से काम करना	२२
११६	अंतः स्थापित प्रणाली अभिकल्प	२१
११७	टोटल स्टेशन से क्षेत्र अभ्यास	२६
११८	कैम एक्सप्रेस ८.० का उपयोग करते हुए अभिकल्पन	२०
११९	संचार इंजीनियरिंग में प्रगति	१२
रा त शि प्र अ सं - विस्तार केन्द्र - कलमसेरी		
१२०	पर्यावरण विज्ञान (प्रथम बैच)	३२
१२१	स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा	४३
१२२	कंक्रीट प्रोद्योगिकी में प्रगति	२६
१२३	पर्यावरण विज्ञान (द्वितीय बैच)	३३
१२४	पर्यावरण विज्ञान (तृतीय बैच)	२९
१२५	कंक्रीट प्रोद्योगिकी और मिक्स डिजाइन	१६
१२६	पाइथान प्रोग्रामिगं	२२
१२७	पाइथान प्रोग्रामिगं	१८
१२८	पाइथान प्रोग्रामिगं	१४
१२९	पालिटेकनीक के लिए एन बी ए द्वारा प्रत्यायन पर कार्यशाला	४२
१३०	मृदु कौशल	२५
१३१	संकाय का व्यावसायिक विकास	१६
१३२	पर्यावरण विज्ञान	२६
१३३	इन्फार्मेटिक्स प्रणालियाँ	२६
१३४	सामान्य इंजीनियरिंग	१८
	कुल	**२४७१**

आ) इंजीनियरिंग कालेज कार्यक्रम

इस संस्था ने इंजिनीयरिंग कॉलेज के शिक्षकों के प्रशिक्षण द्वारा इंजीनीयरिंग कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता की वृद्धि के लिए अपने क्रिया कलापों को केंद्रित किया। इस योजना के अंतर्गत **२३** लघु अवधि पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें कुल **९७६** प्रतिभागियों ने (पुरुष: ५२४, स्त्री: ४५२) भाग लिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न प्रमुख क्षेत्रों पर कार्यक्रम चलाए गए:

- इंजिनीयरिंग तथा प्रोद्योगिकी में विषय वस्तु को आधुनिक बनाना
- अनुदेशात्मक अभिकल्प, प्रस्तुति तथा प्रणाली
- पेडगोगी (शिक्षा शास्त्र)
- मानव संसाधन विकास
- विद्यार्थी सेवाएँ
- संस्थागत विकास तथा शिक्षा प्रबंधन

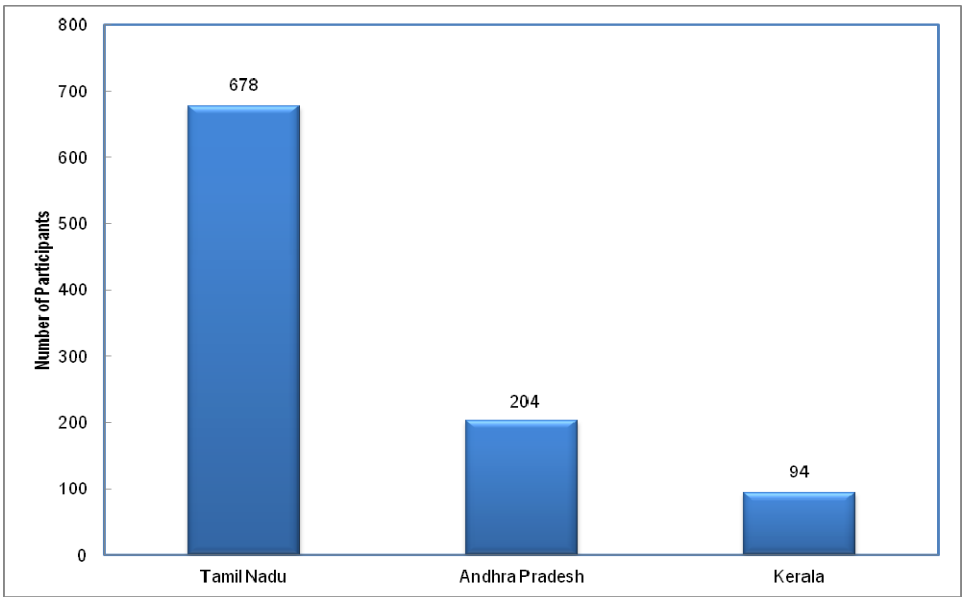

इस प्रकार आज की तारीख तक पिछले ग्यारह वर्षों के दौरान **५३१** पाठ्यक्रमों के माध्यम से **२०,८०४** शिक्षक प्रशिक्षित हुए।

सारणी ४: इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में नामांकन: २०११-१२

क्रं.सं.	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी प्रणाली (आई डी डी एस)		
१	श्री कविता इंजीनियरिंग कालेज, तिरुपति	५०
२	वेलम्माल इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई	३१
३	वेलम्माल इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई	२९
४	माइलम इंजीनियरिंग कालेज, तिंडिवनम	४५
५	वेलम्माल इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई	४१
६	वेलम्माल इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई	२७
७	सेइन्ट गिट्स कालेज आफ इंजीनियरिंग, कोट्टयम, केरल	४१
८	वेलम्माल इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई	३४
९	अण्णा यूनिवर्सिटी टेक्नोलोजी, मदुरै	३१
१०	अरसु इंजीनियरिंग कालेज	४४
११	चैतन्य भारती इन्स्टिटूट आफ टेक्नोलोजी, आ. प्र.	५०
१२	एस सी ए डी ग्रूप आफ इन्स्टिटूशन्स तिरुनेलवेली	५०
१३	जेम्स कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी, नागरकोइल	५६
१४	श्री विद्यानिकेतन इंजीनियरिंग कालेज, तिरुपति	५०
१५	के एम इ ए इंजीनियरिंग कालेज, केरल	५२
१६	आचार्य कालेज आफ इंजीनियरिंग, पुदुच्चेरी	२३
१७	अग्नि कालेज आफ इंजीनियरिंग, चेन्नई	४२
१८	डी एम आई कालेज आफ इंजीनियरिंग, चेन्नई	५०
१९	प्रिस्ट यूनिवर्सिटी, तंजावूर	५३
२०	एस आर एम यूनिवर्सिटी, वडपलनी	५२
२१	श्री अरविंदर कालेज आफ इंजीनियरिंग, विलुपुरम	४९
शिक्षण प्रणालीविज्ञान		
२२	बृंदावन इन्स्टिटूट आफ टेक्नोलोजी एण्ड साइन्स, कर्नूल, आ.प्र.	५१
टी वी ई टी संस्थान का प्रत्यायन और प्रसाणीकरण		
२३	रा त शि प्र अ सं., चेन्नई	२५

4.3 उद्योगों और अन्य संगठनों के लिए अल्पावधि पाठ्यक्रम

संस्था ने औद्योगिक क्षेत्र से अच्छा सहयोग कायम रखा है। उद्योग भी अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने में संस्थान के अनुभव, निपुणता और संसाधन का लाभ उठा रहे हैं। वर्ष २०११-१२, के दौरान इस संस्था के पर्यावरण प्रबंधन केंद्र ने (सी ई एस) लोक निर्माण विभाग, तमिलनाडु सरकार और राजमार्ग विभाग, तिमलनाडु सरकार के लिए विशिष्ट

टी एन आर एस पी प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम

पाठ्यक्रम चलाए और ११७ पेशावरों को प्रशिक्षित किया। इस वर्ष में निम्न क्षेत्रों में पाठ्यक्रम चलाए गए:

१. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन
२. सिंचाई संरचनाओं का अभिकल्प
३. सिंचाई जल प्रबंधन में कम्प्यूटर का प्रभाव
४. नए भर्ती राजमार्ग विभाग के इंजीनियरों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम

आज की तिथि तक पिछले बारह वर्षों में **११०** पाठ्यक्रमों के जरिए **२३६७** व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया।

4.4 समझौता ज्ञापन

२०११-१२ के दौरान संस्थान ने (रा त शि प्र अ सं.) कुछ संस्थानों से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिनकी सूची निम्न प्रकार है।

अ) वेल्लूर इन्स्टिट्यूट आफ टेकनोलोजी, वेल्लूर - ६३२ ०१४
आ) श्री अरविंदर इंजीनियरिंग कालेज, सेदारपेट डाकघर, वानूर, विलुप्पुरम - ६०५ १११
इ) एवरॉन टेकनिकल एज्युकेशन इंडिया लि., पेरुंगुडी, चेन्नई - ६०० ०९६

4.5 संचालित अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय-संगोष्ठियाँ / कार्यशालाएँ

इस वर्ष के दौरान कुल बारह संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ चलाई गई। इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिक कालेजों उद्योगों सरकारी विभागों और पेशेवरों में से १०९४ व्यक्तियों ने इनमें भाग लिया। प्रत्येक कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है:

अ) "वैश्विक स्थान निर्धारण प्रणालियाँ - सिद्धांत और प्रयोग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शैक्षिक मीडिया केंद्र औश्र सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा २९ और ३० सितंबर २०११ को किया गया। कार्यशाला को व्यापक लक्ष्य i) जी पी एस के साधन का महत्व समझना, ii) जी पी एस का कार्य सिद्धांत स्पष्ट करना, iii) जी पी एस और डेटा प्रक्रम का उपयोग करते हुए सर्वेक्षण करना। तमिलनाडु, कर्नाटक, आँध्रप्रदेश, संघ राज्य क्षेत्र पुदुचेरी के विभिन्न इंजीनियरिंग कालजों, विश्वविद्यालयों, पॉलिटेकनीकों वृत्तिशील पेशोवरों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

जी पी एस कार्यशाला - व्यावहारिक अभ्यास

आ) "वैश्विक इंजीनियरिंग पाठ्यचर्या में संघारणीय शिक्षा" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

पाठ्यचार्य विकास केंद्र (सी डी सी) और पर्यावरण प्रबंधन केंद्र (सी ई एम) ने पी एस एन ए इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी कॉलेज, तिंडकल के सहयोग से १५ सितंबर २०११ को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के व्यापक लक्ष्य से (अ) एशिया आफ्रिका, मध्यपूर्व और दक्षिण अमेरिका के विकास शील देशों में इंजीनियरिंग शिक्षा में पाठ्यचर्या का (संघारणीयता प्रापत करने के लिए) पुनरीक्षण करना, (आ) तकनीकी कार्यक्रम के उन क्षेत्रों का अभिज्ञान करना, जिसके संशोधन, सुधार और स्तरोद्धार की आवश्यकता है, (इ) विकासशील देशों में तकनीकी शिक्षा में समुचित अतिरिक्त पाठ्यक्रम का सृजन करने के लिए उपाय और साधन सुझाना और, (ई) विकासशील देशों में नव प्रवतनकारी पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक पैकेजों के आदान प्रदान के लिए संघारक सहलग्नता पैदा करना। २१ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों और तमिलनाडु के विभिन्न इंजीनियरिंग कालेजों, विश्वविद्यालयों पालिटेकनीकों, उद्योगों और वृत्तिशील पेशावरों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला में उद्घाटन भाषण

इ) "विकासशील देशों में तकनीकी शिक्षा की भूमिका" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (रा त शि प्र अ सं.) चेन्नई ने वेल्लूर इन्स्टिटूट आफ टेकनोलोजी, वेल्लूर के सहयोग से दि.१८ अक्टोबर २०११ को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का मुख्य केंद्र बिंदु या देश के उत्थान के लिए तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देना। जीविका के स्तर को ऊपर उठाने

वी आई टी वेल्लूर कें कार्यशाला के प्रतिभागी

के लिए विकासशील देशों में प्रोद्योगिकी और इंजीनियरिंग शिक्षा कैसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वी आई टी-यू एस ए उच्चतर अध्ययन संस्थान के उद्घाटन समारोह के साथ कार्यशाला समाप्त हुई।

ई) "सहस्त्राब्द विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए तकनीकी शिक्षा का विकास" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान (रा त शि प्र अ सं.), चेन्नई ने मुत्तायम्माल इंजीनियरिंग कालेज, राशिपुरम, नामक्कल जिला के सहयोग से ११ नवंबर २०११ को सहस्त्राब्द विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए तकनीकी शिक्षा के विकास पर अंतरष्ट्रिीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के लक्ष्य से (अ) वैश्विक समस्याओं और चुनौतियों के लिए इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी समाधानों को प्रभावी ढंग से नव प्रवर्तित एवं लागू करना, (आ) नव प्रवर्तन के चालक के रूप में संघारणीय सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए इंजीनियरिंग की भूमिका समझना, (इ) ज्ञान और कौशल आधारित तकनीकी शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रों के क्षमता निर्माण में नव प्रवर्तित प्रणालियों के आदान प्रदान के लिए विकासशील देशों के बीच संघारणीय सहलग्नता उत्पन्न करना। इंजीनियरिंग कालेजों से ४८ प्रतिभागियों ने जिनमें अफ्गानिस्तान, बेलारुस, बोत्सवाना, कोटे द आइवरी लेबनान, मडगास्कर, मॉरीशस, म्यामार, नाम्बिया, सूडान, यमन आदि देश सम्मिलित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला के प्रतिभागियों को अध्यक्ष का संबोधन

कार्यशाला के प्रतिभागियों

उ) "इंजीनियरिंग शिक्षा में संसाधनों के विकास" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (रा त शि प्र अ सं.) चेन्नई ने श्री जययाम राजेन्द्र कालेज आफ इंजीनियरिंग, मैसूर के सहयोग से इंजनियरिंग शिक्षा में ई संसाधनों के विकास पर २८ नवंबर २०११ को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के उद्देश्य ये

(i) इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए शैक्षिक वीडियो फिल्म तैयार करना, (ii) पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली और डिजिटल पुस्तकालय के लिए ओपन सोर्स टूल्स और, (iii) अद्यतन प्रोद्योगिकी का उपयोग करते हुए विकस्ति शिक्षा चित्रों का प्रसारण। नाइजीरिया, जिम्बाब्वे, मारीशस, यमन, फिजी द्वीपसमूह, चिली, फिलिस्तान, वर्किनो फासो, सूडान, बांग्लादेश आदि देशों से ४० विदेशी प्रतिभागियों सहित लगभग ८० प्रतिभागियों और राष्ट्रीय स्तर के ४० प्रतिभागियों ने विचार विमर्श में भाग लिया।

कार्यशाला में उद्घाटन आयोजन

ऊ) "क्लाउड कम्प्यूटिंग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला

कम्प्यूटर केंद्र विभाग द्वारा ८ और ९ दिसंबर २०११ को कार्यशाला चलाई गई। कार्यशाला का लक्ष्य क्लाउड कम्प्यूटिंग में तकनीकी संकल्पनाओं, नूतन प्रवृत्तियों और अनुसंधान विषयों से परिचय कराना था। इंजीनियरिंग कालेजों और पॉलिटेकनीक कालेजों से २६ शिक्षकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। डॉ.एस. मोहन, निदेशक, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई अध्यक्षीय भाषण दिया। अण्णा विश्वविद्यालय सीडीएसी, एन आई सी, विप्रो, ऑरन्जस्केप जैसे, प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों ने स्रोत व्यक्तियों के रूप में काम किया। कार्यशाला के विषयों का खूब स्वागत हुआ और चूँकि अधिकतर प्रतिभागियों के लिए यह आँखें खोलनेवाली बात भी सबने इसकी प्रशंसा की। क्लाउड सुरक्षा में अनुसंधान विषय और चुनौतियॉ काफी उपभोगी थे और उनकी खूब प्रशंसा हुई।

ऋ) "टी वी ई टी संस्थानों का प्रत्यायन और प्रमाणीकरण" पर अंतर्देशीय कार्यक्रम:

संस्थान ने कोलम्बो प्लान स्टाफ कालेज (सी पी एस सी) के सहयोग से ९ से १३ जनवरी २०१२ तक टी वी ई टी संस्थानों का प्रत्यायन और प्रमाणीकरण पर हमारे संस्थान में तकनीशियन शिक्षा, मनीला,

फिलिपाइन्स के लिए अंतर्देशीय कार्यक्रम चलाया। कुल ३४ प्रतिभागियों ने जो इंजीनियरिंग कालेजों, पालिटेकनीक कालेजों, एनआईटी, मानित विश्व विद्यालयों (से आ ए शिक्षक) हमारे संस्थान के संकाय

थे, कार्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रीय अभिकरणों जैसे एन बी ए और एन ए एसी और एपी एसी सी और ए बी ई टी जैसे अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा तकनीकी शिक्षा कार्यक्रमों और संस्थानों के लिए मापदंडों, प्राचलों और प्रक्रमों को समझने में कार्यक्रम ने सहायता की। डॉ. एस. मोहन, निदेशक, सी जी एस सी, मनलीा। फिलपीन्स, प्रो. टी.जे टेसोरो गयोन्डटो, संकाय सदस्य सी पी एस मनीला, प्रो. राजेश पी.खंबायत, अध्यक्ष, प्रशिक्षण और विकास प्रभाग, सी पी एस सी, मनीला, डॉ. आर. मुरुगेशन, उप कुल सचिव, अण्णा यूनिवर्सिटी आफ टेकनोलोजी, मदुरै, डॉ.सी. मुत्तमिलसेल्वन, निदेशक (इंजीनियरिंग और टेकनोलोजी) एस आर एम यूनिवर्सिटी, चेन्नई, प्रो.बी. नंदगोपाल, प्रिसिंपाल, मुरुगप्पा पालिटेकनीक कालेज, चेन्नई, डॉ. डी बृहदीश्वरन, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, योजना और शैक्षिक अनुसंधान, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई और डॉ.जी.कुलन्दैवेल, सह प्रोफेसर इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग और प्रभारी प्रधान अंतर्राष्ट्रीय कार्य रा त शि प्र अ सं., चेन्नई ने कार्यक्रम के लिए स्रोत व्यक्तियों के रूप में काम किया।

ए) "प्रत्यायत द्वारा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता बढाना" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

संस्थान द्वारा तकनीशियन शिक्षा के लिए कोलम्बो प्लान स्टाफ कालेज (सी पी एस सी) मनीला फिलिपीन्स के सहयोग से १२ जनवरी २०१२ को प्रत्यायन द्वारा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी चलाई गई। कुल ९५ प्रतिभागियों ने जिनमें तकनीकी विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कालेजों,

पालिटेकनीकों के अध्यक्ष/सचिव/ संपर्की/निदेशक/डीन/प्रिंसिपल, वरिष्ठ शिक्षक और रा त शि प्र अ सं., चेन्नई के संकाय और अनुसंधान कर्ता शामिल है, संगोष्ठी में भाग लिया। प्रो. आनंदकृष्णन, अध्यक्ष, आई आई टी, कानपुर ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। डॉ. एस.आर.के. प्रसाद, अध्यक्ष, शासक मंडल, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई, समारोह का अध्यक्षासन ग्रहण किया। श्री बी.एस. पोन्मुडीराज, सहायक

सलाहकर, एन ए एसी, बंगलूरु, डॉ. ज़ेड़ सी अलेक्स, प्रत्यायन और अकादमी विभाग के निदेशक, वी आई टी विश्वविद्यालय, वेल्लूर, डॉ.के.ए. भास्करन, भूतपूर्व प्रोफेसर, आई आई टी मद्रास, डॉ. मोहम्मद नाइम याकूब, महा निदेशक सी पी एस सी, मनीला, प्रो. सी जे टेसोरो गऐन्डेटो, संसद सदस्य, सी पी एस सी मनीला, और डॉ. ए.कलानिधि, भूतपूर्व उप कुल सचिव, सी-स्टार, चेन्नई ने संगोष्ठी के लिए स्रोत व्यक्तियों के रूप में काम किया।

राष्ट्रीय अभिकरणों जैसे एन बी ए और एन ए ए सी सी और ए बी ई टी जैसे अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा तकनीकी शिक्षा कार्यक्रमों और संस्थानो के लिए मापदंडों, प्राचलों और प्रक्रमों के समझने में कार्यक्रमों ने सहायता की।

ऐ) "तकनीकी शिक्षा मे मानव संसाधन विकास" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

तकनीकी शिक्षा में मानव संसाधन विकास पर रा त शि प्र अ सं. चेन्नई और कर्पगम यूनिवर्सिटी कोयम्बतूर ने संयुक्त रूप से २ मार्च २०१२ को कर्पगम यूनिवर्सिटी, कोयम्बतूर में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी चलाई। संगोष्ठी के उद्देश्य ये (i) तकनीकी शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रणालियों की जानकारी प्रापत कर लेना, (ii) तकनीकी शिक्षा में मानव संसाधन प्रणालियों को सशक्त वनार्न के लिए व्यूह विकसित करना, (iii) तकनीकी शिक्षा द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिए व्यूह विकसित करता। भारत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त विभिन्न देशों से ६५ प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में भाग लिया। यथा बुलगेरिया, बर्किनो, फासो, चाड, कोलम्बिया, गिनी, कोटेद आइवरी, लाओस, नेपाल, ओमान, ईथोपिया, गाम्बिया, केन्या, नाइगीरिया, युगाण्डा, जिम्बाब्वे, भूटान, सूडान, यमन, घाना और श्रीलंका।

ओ) यांत्रिक और सिविल इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए आगामी पीढ़ी के अभिकल्पकों और इंजीनियरों को तैयार करना

संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने आटो डेस्क, आई एन सी, बंगलूरु के सहयोग से यांत्रिक और सिविल इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए आगामी पीडी के अभिकल्पकों और इंजीनियरों को तैयार करना १२ मार्च २०१२ को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को विनिर्माण और निर्माण उद्योगों में सफल जीविका के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए सशक्त करना और यांत्रिक और सिविल इंजीनियरिंग क्षेत्रों में प्रयुक्त उच्चतर डिजिटल प्रोद्योगिकी से शिक्षकों और छात्रों को परिचित कराना था।

८३ प्रतिभागियों ने जिनमें तमिलनाडु से यांत्रिक, सिविल, वास्तुकला और संबंधित इंजीनियरिंग विषयों के पालिटेकनीकों के प्रिंसिपाल और विभागाध्यक्ष सम्मिलित है, भाग लिया। डॉ. एस.मोहन, निदेशक, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई ने अध्यक्षीय भाषण दिया। श्री एल सी राघवन, परामर्शदाता, वाटरजेट जर्मनी प्रा.लि. चेन्नई, प्रो. डॉ. रामनाथान - इंजीनियरिंग डिजाइन केंद्र, आई आई टी, चेन्नई, डॉ. अरुण मेनन-सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी, चेन्नई, श्री आनंद पिल्लै - प्रोग्राम मैनेजर - भारत और सार्क शिक्षा कार्यक्रम, आटो डेस्क इंडिया लिमिटेड और श्री रमेश पुडाले - विनिर्माण सोल्यूशन विशेषज्ञ - आटो डेस्क भारत लि. इस कार्यशाला में स्रोत व्यक्तियों के रूप में काम किया।

औ) "संघारक विकास और पर्यावरण प्रबंधन" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

पर्यावरण प्रबंधन केंद्र, रा त शि प्र अ सं. और ग्रामीण प्रोद्योगिकी केंद्र गॉधीग्राम ने संघारणीय विकास और पर्यावरण प्रबंधन पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (४-६ मार्च २०१२) का आयोजन किया। कम्बोडिया, कांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य, ग्वाटेमाला, जॉर्डन, लिथुआनिया, श्रीलंका, सूडान, सिरिया, वियतनाम, बोत्सवाना, केन्या, लेसोथो,तंजानिया और जाम्बिया से लगभग २६ प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कुल २०९ प्रतिभागियों ने इस संगोष्ठी में पंजीकृत किया था। प्रमुख उद्देश्य था (अ) संघारणीय आवास विकास की समस्थाएँ और संभावनाएँ-मूल्यांकन,

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एस डी ई एम प्रतिभागी

(आ) संघारणीयता से संबंधित समस्याएँ, (इ) नव प्रवर्तित प्रोद्योगिकियाँ और पद्धति विज्ञान, (ई) संघारणीय पर्यावरण प्रबंधन, (उ) संघारणीय प्रणालियाँ, (ऊ) संघारणीय विकास और पर्यावरण प्रबंधन के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण उपकरण और, (ऋ) आवास और पर्यावरण। गाँधीग्राम गाँव में एक सप्ताह के वास का अंतिम कार्यक्रम या संगोष्ठी। सिरुमलै जन जातीय गाँव से प्रतिनिधियों ने पी आर ए अभ्यास और वीडियो संभाषण में भाग लिया, संघारणीय काफी रोचण, जैव कृषि, गाँधी म्यूजियम जो संघारणीय शिक्षा का भाग था।

अं) स्कूल मनोविज्ञान एसोसिएशन का ३३-वाँ अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन (आई एस पी ए)

३३-वाँ अंतर्राष्ट्रीय स्कूल मनोविज्ञान एसोसियेशन (आई एस पी ए) सम्मेलन वी आई टी यूनिवर्सिटी, वेल्लूर ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (रा त शि प्र अ सं.) चेन्नई, भारतीय स्कूल मनोविज्ञान एसोसियेशन (इन एस पी ए) और भारतीय अनुप्रयुक्त मनो विज्ञान अकादमी (आई ए ए पी) के संयोजन से १९ से २३ जुलाई २०११ तक वैश्वीकरण विविधता और सामाजिक चुनौतियाँ के संदर्भ में शिक्षा मनोविज्ञान के केंद्रीभूत विषय पर आयोजित किया।

३३-वाँ आई एस पी ए सम्मेलन के प्रतिभागि

२५ देशों से कुल ३१५ प्रतिनिधियों ने सम्मेलन के विचार विमर्श में भाग लिया। यथा अमेरिका, ब्रिटन, जर्मनी, एस्तोनिया, भारत, कनाडा, आयरलैंड, नीदर लैंड, लंबनान, पोलैण्ड, इटली, तुर्की, इजराइल, आस्ट्रेलिया, फ्रान्स, नेपाल, श्रीलंका, दक्षिण आफ्रिका, ब्रेज़लि, माल्टा, जापान, नाइजीरिया, इंडोनेशिया, बांगलादेश और ईरान।

उद्घाटन समारोह का अध्यक्षासन डॉ.जी. विश्वनाथान, कुलपति, वी आई टी यूनिवर्सिटी, वेल्लूर ने ग्रहण किया। डॉ. एस. नारायणन, सम कुल पति ने आगंतुकों को स्वागत किया। डॉ.एस. रेणुका-देवी, संगठन सचिव ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. एस. मोहन, निदेशक, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई, डॉ. बिल फोहि, अध्यक्ष, आई पी एस ए, डॉ. अबीब अहमद, अध्यक्ष, आई ए ए पी और डॉ. जी.पी. ठाकुर, अध्यक्ष, स्थानीय संगठन समिति, आई एस पी ए सम्मेलन ने बधाई दी। डॉ. जी. विश्वनाथन, कुल पति, वी आई टी यूनिवर्सिटी ने उद्घाटन भाषण दिया। कुल पति ने सार पुस्तिका का विमोचन किया। कुल पति डॉ. जी. विश्वनाथ्न, डॉ. एस. मोहन, निदेशक रा त शि प्र अ सं. चेन्नई, डॉ. जर्ग फॉस्टर और डॉ. जी पी ठाकुर ने बधाई दी।

5.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास

वर्ष २०११-१२, में विभिन्न इंजिनीयरिंग विषयों, शिक्षा शास्त्र तथा प्रबंधन से संबंधित ४ पुस्तकालय सामग्रियॉ ४६ प्रिंट टाइप में सामग्रियाँ तकनीकी संस्था के शिक्षकों के उपयोग के लिए संस्थान ने विकसित की।

6.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास

वीडियो कार्यक्रम:

इस संस्था ने इन वर्षों में तकनीकी शिक्षा तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम उत्पन्न करने के लिए बढ़िया सुविधाएँ विकसित की हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के इस कार्यक्रम के दौरान कुल २८ वीडियो कार्यक्रमों का उत्पादन तकनीकी शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के लिए किया गया।

अन्य प्रकार के अनुदेशात्मक मीडिया:

इस संस्था ने वर्ष २०११-१२ के दौरान ७८ मल्टीमीडिया लर्निंग पैकेजों की प्रतियों का निर्माण किया।

सारणी ६: शीर्षक जिनपर प्रतियॉ विकसित की गई - २०११-१२

सर्किल जेनरेटिंग एल्गोरिथम	डेटा ट्रान्समिशन मोड्स
पैटर्न फिल	साइन वेब
सॉफ्ट फिल	यू टी पी पेर्फामेन्स
कम्प्यूटर आर्ट	ट्रान्समिशन इमफेयरमेन्ट
इंटरनेट मेसेजिंग	गेट वे
इलेक्ट्रॉनिक मेसेजिंग	नेटवर्क डिवाइसेस
मोबाइल मेसेजिंग	इन्ट्रोडक्शन एण्ड सम्मरी आफ ओएसआई लेयर्स
इमेज प्रोसेसिंग एण्ड इमेज रेकॉग्निशन	पॉलिनॉमिनल्स
ग्राफिकल यूसर इन्टरफेस	चेक सम
सैम्पिल मेथड	हैमिंग डिस्टन्स
स्टॉप एण्ड वेइट प्रोटोकॉल	रिफ्रेश कैथोड रे ट्यूब्स
डी डी ए एल्गोरिथम	ब्रेसन हॅम्स लाइन एल्गोरिथम
मिड़पाइंट सर्किल एल्गोरिथम सॉफ्ट फिल	पैटर्न फिल इमेज प्रोसेसिंग एण्ड इमेज रिकॉग्निशन
ट्रान्सलेशन, रोटेशन एण्ड स्केलिंग	इलेक्ट्रानिक मेसेजिंग - ओन टु ओन कम्यूनिकेशन
ट्रान्सफर्मेशन बिट्वीन कोऑडिर्नेट सिस्टम्स	इलेक्ट्रानिक मेसेजिंग ओन टु मेनि कम्यूनिकेशन
आर जी बी कलर मॉडल	स्टॉप एण्ड वेइट एआरक्यू (फ्लो डायग्राम)
मोशन स्पेसिफिकेशन्स	फाइल फार्मेट्स फॉर मल्टीमीडिया सिस्टम्स
ऐपिल्स क्विक टाइम	इमेज स्केनर
ओवर व्यू आफ डेटा फाइल फार्मेट स्टेन्डर्ड्स	मोबाइल मेसेजिंग
हाइपर मीडिया मेसेज काम्पोनेंट	नेटवर्क टोपोलोजीज़ (बस, स्टार, रिंग, मेश)
डेटा फ्लो	ओर्गनाइजेशन आफ ओएसआई लेयर्स
सम्मरी आफ लेयर्स	साइन वेव
ट्रान्समिशन इम्पेयरमेंट	सैंपिलिंग मेथड्स फॉर पी सी एम
अनशील्डड बनाम शील्डड ट्विस्टड पेयर केबिल	फाइबर-ऑप्टिक केबिल (फाइबर कन्स्ट्रक्शन)
गेटवे	चेकसम
हार्डवेर इंप्लिमेन्टेशन	टोकन पॉसिंग
मेसेजस	एकाउंटिंग मैनेजमेन्ट
डिटर्मिनेशन आफ पीहेच	डिटर्मिनेशन आफ सल्फेट्स
डिटर्मिनेशन आफ टर्बिडिटी	डिटर्मिनेशन आफ आक्सीजन
डिटर्मिनेशन आफ कंडक्टिविटी	डिटर्मिनेशन आफ रेसिडुवल क्लोरिन

डिटर्मिनेशन आफ क्लोराइड्स	डिटर्मिनेशन आफ केमिकल आक्सीजन डिमांड
डिटर्मिनेशन आफ टोटल हार्डनेस	डिटर्मिनेशन आफ बयोकेमिकल आक्सीजन डिमांड
डिटर्मिनेशन आफ केल्सियम हार्डनेस	डिटर्मिनेशन आफ टोटल सालिड्स इन वाटर
डिटर्मिनेशन आफ टोटल डिसाल्व्ड एण्ड सस्पेडंडे सालिड्स	डिटर्मिनेशन आफ टोटल ऑर्गानिक एण्ड इन आर्गानिक सालिड्स

7.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाओं से संबंधित परियोजनाएँ:

वर्ष २०११-१२ के दौरान विविध एजेन्सियों से प्रवर्तित १८ परियोजना कार्यक्रमों को संस्था के संकाय ने पूर्ण किया जो निम्न प्रकार है:

सारणी ७: चालू अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का विवरण

क्रं. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	समन्वयक / सदस्य	आबंटित निधि
१.	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों का एकीकरण करके तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के मुख्य क्षेत्र में लाना	मा सं वि मं	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. रेणुका देवी	२७,००,०००
२.	प्रोद्योगिकी के औद्योगिक रूप संगत राष्ट्रीय संकाय विकास केंद्र	एआईसीटीई	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. धनपाल	२०,००,०००
३.	संस्थान के परिसर में वर्षा जल संचयन एकक की स्थापना	सीजी-डबल्यूबी	सिविल विभाग	४०,००,०००
४.	तकनीकी शिक्षकों और छात्रों के प्रशिक्षण के लिए ई-प्रशिक्षण पर्यावरण स्थापित करना	एन एम ई-आईसीटी-आईसीटी मा सं वि मं, भा स	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार डॉ. जी. कुलन्दैवेल	२८,००,०००
५.	“दक्षिण भारतीय भोजन” पर वीडियो फिल्म बनाना	रा अ मी सं, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	१,००,०००
६.	अंकरूपित पुरानी तमिल हस्तलिपियों की डीवीडी तैयारी	सीआईसीटी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार	१२,००,०००
७.	“सी आई सी टी की वेब डेलिवरी के लिए विषय वस्तु को पुष्ट करना”	सीआईसीटी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार डॉ. जी. जर्नादनन	११,००,०००
८.	“सी आई सी टी के लिए वेब पोर्टल का विकास”	सीआईसीटी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. कुलन्दैवेल	१२,००,०००
९.	एन एल सी खान क्षेत्र का बृहत स्तर भूजल प्रवाह मॉडलिंग	आर डब्ल्यू ई, जर्मेनी	डॉ. एस. मोहन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	९,००,०००
१०.	जल भू वैज्ञानिक द्रोणी में बहुस्तरीय तटीय जलवाही, प्रणाली के लिए भू जल प्रतिरुपण अध्यक्ष	एन एल सी लि., नेईवेली	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	२५,००,०००
११.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत तिरुनेलवेली क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	६९,७८,६८०
१२.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	१,०३,२७,३९०

क्रं. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	समन्वयक / सदस्य	आबंटित निधि
	वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत तिरुच्ची क्षेत्र में		इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार डॉ. ई.एस.एम. सुरेश इं. वी. षण्मुगनीति	
१३.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की तैयारी, स्लम एम आई एस को पहचानना, अभिग्रहण, स्थलाकृति वैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी आई एस आधारित स्लम मानचित्रण आर ए वाई के तहत कोयम्बतूर क्षेत्र में	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार डॉ. आर. रविचंद्रन	१,११,८७,७३०
१४.	गुम्मिडिपूंडि में सेल II फेस II भूभरण का डिजाइन, जाँच, निगरानी	टी एन डब्ल्यू एम एल चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	४,००,०००
१५.	प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण - प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम इाजपथ इंजीनियर, राजपथ विभाग, तमिलनाडु सरकार के लिए	टी एन आर एस पी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	२३,७२,०००
१६.	टी एन एस सी बी - पिल्लैयार पट्टी - फेस II - भूभ्रण आयत का अभिकलन	टी एन एस सी बी, तिरुच्ची	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	१,००,०००
१७.	मील पत्थर सं.I, II, III, IV और टी एन आर एस पी परियोजनाओं के लिए पुनः स्थापन और पुनर्वास कार्याण्वयन का अंत्यावधि प्रभाव	टी एन आर एस पी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.के. नटराजन	१६,५४,५००
१८.	सड़क प्रयोक्ता संतृप्ति मूल्यांकन	टी एन आर एस पी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	३३,१०,०००
			कुल	**५,४८,३०,३००**

सारणी ८: समाप्त की गई अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का विवरण

क्रं. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	समन्वयक / सदस्य	आबंटित निधि
१.	शिक्षु प्रशिक्षण योजना, मा सं वि मं, भा.स. में गैर इंजीनियरिंग स्नातकों को सम्मिलित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना	निदेशक, बी ओ ए टी (द.क्षे)	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी. ताणिकाचलम	९,९५,०००
२.	भुत्तम्मालपुरम - ओरथनाडु में २४० कोठरियों के निर्माण के लिए टीएनएससीबी मृदा परीक्षण	टी एन एस सी बी, तिरुच्ची	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	३,३०,९००
३.	"कम्प्यूटर नेटवर्किंग" पर वीडियो फिल्म बनाना	रा अ मी सं, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	१,००,०००
४.	सामान्य खतरनाक अपशिष्ट उपचार, भंडारणा और निपटारा सुविधा में भूभरणा के द्वितीय सेल की परियोजना की अभिकल्पना और निगरानी की जाँच	टी एन डब्ल्यू एम एल, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	२,५०,०००
५.	तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण को सशक्त करने के लिए रुपरेखा की तैयारी	टी एन एस सी बी	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. धनपाल	३,३९,०००
६.	लक्षद्वीप में पॉलिटेकनीक कालेज की स्थापना के लिए डी पी आर की तैयारी	लक्षद्वीप सरकार	डॉ. एस. मोहन डॉ. बी.जी. बर्की डॉ. बी. मुखोपाध्याय	२,००,०००
७.	आभासी कक्षा पाठन का वीडियो रिकार्डिंग और संपादन	सीआईसीटी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	९३,७५५
८.	पुनः स्थापन कार्ययोजना कार्यान्वयन के मूल्यांकन का अध्ययन	टी एन आर एस पी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.के. नटराजन	९,७२,०००

क्रं. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	समन्वयक / सदस्य	आबंटित निधि
९.	प्यर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्रशिक्षण कार्यक्रम	लो.नि.वि., चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	१,०७,०००
१०.	सिंचाई संरचना अभिकल्पन का प्रशिक्षण कार्यक्रम	लो.नि.वि., चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	१,०७,०००
११.	सिंचाई जल प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	लो.नि.वि., चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	१,०७,०००
१२.	आयतन भरण का अभिकलन - जे.जे.नगर, तिरुच्ची	टी एन एस सी बी, तिरुच्ची	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	१,००,०००
१३.	वैनबे योजना - भवन सिमति सम्मति	टी एन एस सी बी, तिरुच्ची	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	१०,०००
१४.	मृदा में क्षति कर वस्तु	राइट्स	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	२४,०००
१५.	इष्टतम स्कंदक मात्रा	एल और टी चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन	८,०००
१६.	सहायक इंजीनियरों की भर्त्ती के लिए - टी एन पी सी बी परीक्षण	टी एन पी सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार डॉ. जी. जर्नादनन	२,७५,७५०
१७.	पर्यावरण वैज्ञानिक की भर्ती के लिए - टी एन पी सी बी परीक्षण	टी एन पी सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. वी.पी. शिवकुमार डॉ. जी. जर्नादनन	१,५०,००८
			कुल	**४१,६९,४१३**

8.0 राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम

मूलाधार

भारत की अर्थ व्यवस्था के अखंड विकास के लिए अर्थ व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कुशल श्रमिक बल की आवश्यकता है। जिसमें विनिर्माण, निर्माण और सेवा सम्मिलित है। अर्थ व्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में कौशल की कमी स्पष्ट है। राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन का लक्ष्य प्रशिक्षित और कुशल श्रमिकबल का सृजन करना है जो अन्य क्षीयमाण अर्थ व्यवस्था में कौशल की कमी की पूर्ति के लिए अधिक व्यवस्था के साथ तेज विकसित अर्थ व्यवस्था की घरेलू आवश्यकता की पूर्ति के लिए पर्याप्त हो ताकि भारत अपने प्रतियोगी लाभ का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सके और जन संख्यीय वृद्धि को काम में ला सके।

भारत सरकार के पास प्रत्येक वर्ष सौ लाख युवकों को कौशल प्रशिक्षण देने की महत्वाकांक्षी योजनाएँ है और विस्तृत सर्वेक्षण और प्राथमिकताकरण प्रक्रिया के जरिए २१ प्राथमिकता के क्षेत्र का चयन किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रलाय ने विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थाओं को समाविष्ट करते हुए कौशल विकास प्रदान करे की प्रमुख भूमिका निभाने का भार उठाया है।

भारत में १५ और ३५ वर्ष की आयु के बीच ३५०० लाखों से अधिक युवक हैं। वर्तमान में भारत के पास केवल लगभग २% युवकों को औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण और ८% को अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की क्षमता है।

एआईसीटीई ने राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता ढाँचा (एन वी ई क्यू एफ) विकसित यिा है। इस ढाँचे के तहत निम्न लिखित पहलुओं पर विचार किया गया है।

- विभिन्न संघटक स्तरों पर योग्यता की परिभाषा
- स्कूल प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त करना
- व्यावसायिक स्कूल में सफल छात्रों के लिए ऊर्ध्वाधर प्रगति व्रदान करना
- जॉब और पढ़ाई के बीच संचलन के लिए बहुबिंदु प्रवेश और निकास

मानव संसासधन विकास मंत्रालय के पहल के रुप में संस्थान ने राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के रुप में निम्नलिखित कार्यकलाप हाथ में लिए हैं।

- उद्योग और प्रशिक्षण संस्थानो के विशेषज्ञों की राय लेते हुए पाठ्यर्या और प्रशिक्षण माड्यूल का विकास करना।
- अभिज्ञात मास्टर ट्रेनरों के लिए प्रशिक्षक का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का अत्याधुनिक उपकरणों सहित का प्रयास करना।
- एन वी ई क्यू एफ अनुपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक सामग्री प्रदान करना।
- डिप्लोमा या प्रमाण पत्र प्रदान करनेवाले प्रशिक्षण मॉड्यूलों के लिए श्रेय संचयन योजना हेतु व्यूह तैयार करना।

प्रथम चरण के रूप में प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अभिज्ञान और प्राथमिकताकरण का ट्रेड जिनके लिए पाठ्यचर्या तैयार करनी प्रक्रम पूरा कर किया गया है।

निम्नलिखित पाँच क्षेत्रों में कुल ७६ ट्रेडों के लिए पाठ्यचर्या तैयार कर ली गई है:

क्षेत्र का नाम

i) वस्त्र और पहनावा
ii) स्वास्थ्य रक्षक सेवा क्षेत्र
iii) इलेक्ट्रानिक्स और सू.प्रो. हार्डवेर
iv) चर्म और चर्म के माल
v) आटो / आटो ऐन्सिलरी क्षेत्र

उद्योग और उच्चतर अकादमी संस्थाओं के विशेषज्ञों के पुनरीक्षण के बाद विकसित पाठ्यचार्य का प्रमाणीकरण फितहाल किया जा रहा है। कुछ अभिज्ञात ट्रेडों के लिए प्रशिक्षक मेनुअल और शिक्षार्थी मैनुअल की तैयारी की जा रही है।

9.0 पालिटेकनिक के जरिए समुदाय विकास योजना:

प्रत्यक्ष केंद्रीय सहायता योजना के रूप में मा.सं.वि.मं. भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित सी डी टी पी योजना फरवरी २००९ से दक्षिण क्षेत्र में २०५ पालिटेकनिकों में कार्यान्वित की जा रही है।

सी डी टी पी योजना का प्रत्येक राज्य में कार्यान्वयन करनेवाले पालिटेकनिकों की संख्या निम्नलिखित सारणी में दी गई है:

आँध्रप्रदेश	कर्नाटक	केरल	तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	योग
५३	६०	३५	५६	१	२०५

योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवकों स्कूल छोड़े छात्रों, गरीबों और दलितों का उत्थान करना था।

कार्यकलाप:

योजनाधीन कार्यकलापों के प्रमुख क्षेत्र है:

- सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण
- कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- समुचित तकनीकों का प्रसार और प्रयोग
- तकनीकी और सहायक सेवाएँ
- अभिज्ञा कार्यक्रम

रा त शि प्र अ सं की भूमिका:

अपने अपने क्षेत्रों में योजना के कार्यान्वयन से संबंधित परियोजना कार्मिकों को सक्षम बनाने के लिए संस्थान का धारणीय विकास केंद्र (सी एस डी) संसाधन केंद्र के रुप में सेवा करता है। वह अभिवियास प्रशिक्षण कार्यक्रम, राज्यवार कार्यशालाएँ, योजना की वार्षिक संवीक्षाए और विषय से संबंधित लघु पाठ्यक्रम नियमित रूप से चलाता है।

वर्ष २०११-२०१२ के दौरान पालिटेकनीक द्वारा समुदाय विकास योजना के तहत प्रिंसिपालों और आंतरिक समन्वयकों, जो केरल और कर्नाटक के पालिटेकनीक के है, के लिए प्रत्येक त्रिदिवसीय अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम चुने हुए पालिटेकनीक के योजना का कार्यान्वयन करनेवाले परियोजना के कार्मिकों के लिए चलाया गया। कुल १६० प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

पालिटेकनीक के मध्य और निम्नस्तर के परियोजना स्टाफ के लिए सी डी टी पी योजना पर नौ श्रृंखला के दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम अगस्त और सितंबर २०११ में चलाया गया। कुल ३५४ प्रतिभागियों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

10.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक मुख्य धारा में एकीकृत करना

अशक्त व्यक्ति अधिनियम - १९९५ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (१९८६) के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय और भारत सरकार ने अशक्त व्यक्तियों को एकीकृत करके मुख्य धारा की तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा में लाने के निमित्त चयनित पॉलिटेकनीक के कोटि उन्नयनार्थ केंद्रित रूप से प्रवर्तित योजना को लागू किया है।

योजना के उद्देश्य:

- अशक्त व्यक्तियों को मुख्य तकनीकी, व्यवसायिक शिक्षा और कार्यकुशलता के विकास कार्यक्रम में लाने के लिए विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा एवं कार्यक्रमों का आयोजन।
- अशक्त व्यक्तियों के लायक के पॉलिटेकनीक के भौगोलिक कैचमेन्ट की पहचान करना।
- अशक्त अशिक्षित युवको के लिए अनौपचारिक कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष बल देते हुए अशक्त व्यक्तियों के योग्य शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहचान करना ताकि उनको ज्यादा मजदूरी मिल सके अथवा यथासंभव अपने ही यहॉ या निवास स्थान पर स्वनियोजन का अवसर मिले।
- अशक्त व्यक्तियों की योग्यता के अनुरूप आवश्यकता और सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या तैयार करना।
- कार्यक्रम के प्रभावीकार्यान्वयन के लिए उचित स्त्रोत की तैयारी करना/प्राप्त करना/विकसित करना जिसमें भौतिक, मानवीय और अनौपचारिक स्त्रोत शामिल है।
- आवश्यकतानुसार योजना के विभिन्न चरणों के लिए प्रतिमान और मानदंड का विकास करना।
- स्त्रोत संस्थानों और अन्य संगठनों से नेटवर्किंग व सहयोग प्राप्त करना और जन शक्ति प्रशिक्षण उचित मार्गदर्शन और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उनकी सहायता लेना।
- प्रशासकों, नियोजकों, संकाय के सदस्यों और छात्रों और व्यापक रुप से समुदाय को अशक्त व्यक्तियों की समस्याओं और क्षमताओं के प्रति संवेदनशील बनाना और पॉलिटेक्स में उचित वातावरण बनाना।
- नव प्रवर्तित शिक्षण तकनीक और दृष्टिकोण का विकास करना जिससे अशक्त युवाओं को उचित शिक्षा प्रशिक्षण और पुनर्वास मिले।
- मजदूरी और स्व नियोजन के अवसर के लिए अशक्त युवकों को मार्गदर्शन, परामर्श और नियोजन प्रदान करने में सहायता के लिए पॉलिटेकनीक के वर्तमान नियोजन कक्ष को सशकत करना।

- योजना के परिवीक्षण के लिए उपर्युक्त विधियाँ और पद्धतियाँ बनाना।

योजना को कार्यान्वित करनेवाले दक्षिण क्षेत्र के पॉलिटेकनिक:

- डॉ. धर्माम्बल सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, चेन्नई
- सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, कोयम्बटूर
- अरसन गणेशन पॉलिटेकनीक कालेज, शिवकाशी
- सरकारी पॉलिटेकनीक, बेलगाम
- सरकारी महिला पॉलिटेकनीक, मंगलौर
- श्रीमती एल वी सरकारी पॉलिटेकनीक, हासन
- श्री रामा सरकारी पॉलिटेकनीक, ट्रीप्रायार
- सरकारी पॉलिटेकनीक, कोट्टयम
- महिला पॉलिटेकनीक लासपेट, पाण्डिचेरी

उपलब्धियाँ:

२०११-१२ में प्रशिक्षण प्राप्त अशक्त छात्रो का विवरण निम्नवत् है:

प्रशिक्षित अशक्त छात्र	
औपचारिक डिप्लोमा कार्यक्रम	**अनौपचारिक पाठ्यक्रम**
१६०	१६८

निम्न क्षेत्रों में अनौपचारिक पाठ्यक्रम चलाए गए:

- डेटा एन्ट्री ऑपरटेर
- डेस्क टॉप पब्लिशिंग
- कार्यालय ऑटोमेशन
- सिलाई और ड्रेस मेकिंग
- कढ़ाई
- कुर्सी बुनाई
- नारियल जटा बुनाई
- बुनियादी कम्प्यूटर कौशल

रा त शि प्र अ सं, चेन्नई ने पालिटेकनिकों के कार्य योजना की तैयारी के लिए मद्द की। योजना का कार्यान्वयन सतत परस्पर सहभागिता और सलाहकार समिति की सलाह द्वारा हुआ।

11.0 आभासी रा त शि प्र अ सं:

आभासी विधा के जरिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना संस्थान की प्राथमिकता का क्षेत्र है। संस्थान ने ई-लर्निंग का काम पहुचाने के लिए आईसीटी और कम्प्यूटर नेटवर्क की संगतता की समर्थता के समुपयोजन का काम जारी रखा। अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संस्थान आभासी रा त शि प्र अ सं की संकल्पना के आधार पर आन लाइन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। संस्थान का शैक्षिक प्रोद्योगिकी और मल्टीमीडिया (ET&MM) विभाग ने स्वाध्याय पैकेज (SLPs), मल्टीमीडिया लर्निंग पैकेज (MMLPs) कंप्यूटर आधारित अनुशिक्षता के रूप में डिजिटल संसाधनों के विकास के लिए तरह तरह की पहल का मिशन मोड अपना लिया है।

लक्ष्य:

आभासी रा त शि प्र अ सं का लक्ष्य ऑन लाइन आभासी मोड के माध्यम से तकनीकी शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना और बदले में प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा छात्रों को प्रभावी ढंग से सीखने देना है।

समर्थनकारी लक्ष्य है:

- ई-लर्निंग पर्यावरण विकसित करना जो तकनीकी शिक्षकों को ऑन लाइन लर्निंग प्रदान करने के लिए इंटरनेट और मल्टीमीडिया की क्षमताओं का समुपयोजन करता है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के अपने कार्य वातावरण में तकनीकी शिक्षकों को सतत अधिगम अवसर प्रदान करने के लिए केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थाओं से प्रशिक्षण का विस्तार करना।
- शिक्षा शास्त्र क्षमताओं, कक्षा प्रबंधन मार्गदर्शन और परामर्श और विषयवस्तु से संबंधित क्षेत्रों में अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।
- ग्रामीण और पिछडे क्षेत्रों के छात्रों को भी उचित कालावधि के भीतर ई-लर्निंग अवसर प्रदान करना।
- वर्तमान परिस्थिति में संकायों की कमी को देखते हुए ई-लर्निंग पर्यावरण द्वारा प्रशिक्षण अवसर का उपयोग करने में शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी संस्थाओं को सुविधाएँ प्रदान करना।
- इंजीनियरिंग कालेजों और पॉलिटेकनिकों में पढनेवाले छात्रों को इंजीनीयरिंग पाठ्यक्रम में ई-लर्निंग संसाधन प्रदान करना।
- समुद्रपार देशों से समुदाय एवं शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों के लिए ऑन लाइन कार्यक्रम प्रदान करना।

२०११-१२ के दौरान पूरे किए गए कार्यकलाप:

(i) सूचना और संचार प्रोद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन की केंद्र प्रवर्तित योजना (एन एम ई-आई सी टी) के तहत तकनीकी शिक्षकों और छात्रों के प्रशिक्षण के लिए ई-प्रशिक्षण की पर्यावरण से सबंधित प्रायोजना के लिए चार पाठ्यक्रम के सजृन के लिए सहायक अनुदान के रूच में २८.०० लाख रु. आबंटित है और मार्च २०१० से चालू है।

प्रणालीविज्ञान:

एन एम ई-आई सी टी के अनुसार इस प्रायोजना के तहत पाठ्यक्रम विकास के लिए चतुष्पादीय अभिगम अपनाया जा रहा है।

प्रणाली विज्ञान में निम्नलिखित कदम समाविष्ट है:

- पाठ्यक्रम की पहचान
- विषयवस्तु की संरचना
- ४ पाठ्यक्रमों के लिए विषयस्तु विकास
- प्रस्तुति अभिकल्प
- मूडिल से आवश्यकतानुसार परिवर्तित
- वेब संपर्क प्रदान करना
- गुणवत्ता नियंत्रण
- विषयवस्तु का आधुनिकीकरण
- लक्षित समूह द्वारा परीक्षण

पाठ्यक्रम में निर्धारित के अनुसार विषयवस्तु पाठ्यक्रम लक्ष्य, पाठ्यक्रम योजना, विषयवस्तु रूपरेखा, यूनिट लक्ष्य, मोड्यूल और शिक्षण बिंदु के रूप में संरचित है।

परियोजना का परिणाम

ई-कन्टेन्ट विकास ज्ञान सृजन और प्रसार की आवश्यकता पूरी करता है जो मिशन के सारभूत लक्ष्य का समर्थन करता है। निम्नलिखित परिणाम निकले:

- तकनीकी शिक्षकों, छात्रों और समाज को आजीवन-अधिगम प्रदान करना और साथ ही शिक्षा के लिए ऐसी संभाव्यता प्रदान करता है जो केंद्रीकृत शिक्षा संस्थाओं से शिक्षकों / छात्रों के द्वार तक पहुँचे।
- अधिक व्यक्तियों तक पहुँचना; तुरंत नहीं तो शीघ्र और पूर्णत: दूरी और समय तत्व का उन्मूलन।
- बह्यिप्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रतिवियुक्ति की समस्या कम करना।

- तकनीकी संस्थाओं में संकाय की कमी की वर्तमान स्थिति में गुणवत्तागुक्त विषय सहित अधिगम अवसर प्रदान करना।
- डिजिटल डिवाइड न्यूनतम करना।

अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षक को प्रशिक्षण देने के लिए अगले वर्ष वेब अधारित पाठ्यक्रम/वेब प्रसारण आयोजित करने की योजना है। समुचित अंत: संरचना युक्त तकनीकी संस्थाओं का पता लगाया जा रहा है ताकि वे वेब प्रसारण के लिए मोडल केंद्र के रुप में काम कर सके।

12.0 अंत: संरचना सुविधाओं का विकास

समुद्रपार शिक्षा कार्यक्रमों में वृद्धि के आधार पर संस्थान के अतिथि गृह में अतिरिक्त स्थानों/सुविधाओं को बढ़ाया गया।

13.0 ई-गवर्नन्स परियोजना का कार्यान्वयन

संस्थान ई-गावर्नन्स प्रयोग को विकसित करने का प्रक्रम कर रहा है जिसमें संस्था की शैक्षिक, लेखा, क्रय और प्रशासनिक प्रक्रिया शामिल है। ई-गवर्नन्स प्रयोग का उद्देश्य इन प्रक्रियाओं की उत्पादकता और सौलभ्य के सुधार में मदद करना है। संस्थान ने प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर एफ पी) प्रलेख तैयार किया है जिसमें तैयार किए जाने के ई-गवर्नन्स प्रयोग के क्षेत्र और आवश्यकता की रूप रेखा है। खुली निविदा का निमंत्रण किया गया और एप्रैल २०११ में विक्रेताओं ने तकनीकी और वणिज्यिक बोली प्रस्तुत की। खुली निविदा प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप हेचटीसी ग्लोबल सर्विसस प्रा.लि. को ई-गवर्नन्स प्रयोग के विकास के लिए विक्रेता के रूप में चुना गया। सेवास्तर को करार (एस एल ए) पर रा त शि प्र अ सं, चेन्नई और हेच टी सी ग्लोबल सर्विसस प्रा.लि. चेन्नई के बीच दि. २४.११.२०१० को हस्ताक्षर हुए।

करार के अनुसार (i) शैक्षिक प्रक्रिया प्रणाली, (ii) वित्त, क्रय, मालसूची और आस्ति प्रबंधन और, (iii) वेतन चिट्ठा और मानव संसाधन प्रणाली और, (iv) छात्रावास और अतिथि गृह प्रबंधन की प्रयोजनमूलक आवश्यकता के लिए ई-गवर्नन्स आधारित आटोमेशन तैयार करना था।

१. विक्रेताने सामान्य लक्षणों को स्पष्ट करते हुए उल्लिखित तिथि पर निम्नलिखित मॉड्यूलों पर प्रस्तुति पेश की:

(i) शैक्षिक प्रक्रियात्मक प्रणाली - विभागाध्यक्षकों के लिए दि.०८.१२.२०१० को

(ii) संकाय और सहायक कर्मचारियों के लिए दि.०९.१२.२०१० को ई-गवर्नन्स प्रायोजना पर विहंगम दृष्टि

(iii) लेखा कर्मचारियों के लिए वित्त, क्रथ, मालसूची और आरित्त प्रबंधन पर माड्यूल नमूने दि.१०.१२.२०१० को।

संकाय सदस्य, लेखा और प्रशासन कर्मचारी प्रस्तुति में उपस्थित थे।

२. चार माड्यूलों में प्रत्येक के लिए ई-गवर्नन्स समूह और पुनरीक्षण समिति निदेशक द्वारा १३ जनवरी २०११ को गठित की गई जिसमें संकाय सदस्य, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और लेखा एवं प्रशासन अनुभाग के सहायक कर्मचारी शामिल हैं।

३. विक्रेता द्वारा संचालित सिस्टम स्टडी ऐक्टिविटी तैयार करने के उद्देश्य से शैक्षिक प्रक्रम समूह और वित्ता, लेखा और क्रय, मालसूची और आरित प्रबंधन के लिए बने ई-गवर्नन्स समूह के सदस्य कार्यालय कर्मचारियों के लिए ७ जनवरी २०११ को सूचना परक बैठक का आयोजन किया गया। सिस्टम स्टडी की आवश्यकता, आवश्यक फार्म, रसीद खाता बही और अन्य रिपोर्ट कार्य प्रवाह सूचना के साथ-साथ सिस्टम एनालिस्ट को प्रदान करने की आवश्यकता से सदस्यों को अवगत कराया गया।

४. विक्रेता के कर्मचारियों ने ११-२७ जनवरी २०११ को निम्नलिखित प्रक्रमों के लिए संबंधित संकाय / कर्मचारियों से आवश्यक अध्ययन / चर्चा की।

वेतन बिल प्रक्रमन	लेखा - रोकड़ बही
भ. नि. प्रक्रमन, पेंशन प्रक्रमन, मा.सं.,संगठन	समुद्रपार शिक्षण पाठ्यक्रम
क्रय - सामान्य	पी हेचडी छात्र और दीर्घावधि पाठ्यक्रम
भर्ती, भत्ते और अन्य स्थापना	छात्रावास तथा अतिथि गृह प्रबंधन
वाहन प्रबंधन	लेखा
क्रय विभाग, छुट्टी प्रबंधन, चिकित्सा बिल प्रक्रमन	हेच आर एम एस - रुका पड़ा है
संपदा प्रबंधन	अल्पावधि पाठ्यक्रम

५. विक्रेता सिस्टम स्टडी का पहला दौर पूरा करने के बाद एस आर एस प्रलेख का पहला प्रारूपतैयार किया है - पाठ ०.०a और मार्च २०११ में पुनरीक्षण के लिए उपलब्ध कराए गए परियोजना जून २०१२ को पूरी की जाएगी।

14.0 हिन्दी भाषा के प्रयोग का कार्यान्वयन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के विचार के अनुसार संस्थान ने हिन्दी के प्रगति के लिए कई कार्यक्रम चलाए। इस वर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

(i) दि. २९/०८/२०११ को "राजभाषा भूत, वर्तमान और भविष्य पर एक दिवसीय कार्यशाला संस्थान के हिंदी कक्ष द्वारा आयोजित की गई। २१ प्रतिभागियों ने इस में भाग लिया।

(ii) दि. १४/०९/२०११ को चेन्नई के आसपास के स्कूली बच्चों के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत शीर्षक पर चित्रकारी, भाषण और निबंध प्रतियोगिता चलाई गई। ५ स्कूलों से ४८ छात्रों ने भाग लिया। दि. २०/०९/२०११ को हिन्दी दिवस के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

(iii) प्रयोजन मूलक हिन्दी - सरल वाक्य लिखित एवं बोल चाल की विषय पर संस्थान के हिन्दी कक्ष ने दि.३०/११/२०११ को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। २२ प्रतिभागी उपस्थिति रहे।

हिंदी दिवस समारोह

(iv) दि.२९/०२/२०१२ को स्थितिपरक हिन्दी विषय पर संस्थान के हिन्दी कक्ष ने एक दिवसीय कार्यशाला चलाई। २९ प्रतिभागी उपस्थित रहे।

(v) दि.१२ से १४ सितंबर २०११ तक संस्थान हिन्दी पखवाड़ा और २० सितंबर २०११ को हिन्दी दिवस संस्थान में मनाया गया। विभिन्न प्रतियोगिताएँ - हिन्दी में सरल वार्तालाप / अंत: क्रिया, सुलेखा (ग्रूप डी के लिए) हिन्दी प्रश्नोत्तर्श और हिन्दी अंताक्षरी - संस्थान के कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए चलाई गई / डॉ. के. रामस्वामी, एम.ए., पी हेचडी., (भाषा विज्ञान), प्रभारी अधिकारी, केन्द्रीय क्लासिकल तमिल संस्थान - चेन्नई और (भूतपूर्व प्रोफेसर और उप निदेशक) केंद्रीय संस्थान भारतीय भाषाएँ, मैसूर समारोह के मुखय अतिथि रहे। अंत में श्री जे. रमेश कुमार - हिंदी कक्ष, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई ने धन्यवाद समर्पित किया।

15.0 अंत: रा त शि प्र अ सं. खेल प्रतियोगिता

खेल और सांस्कृतिक सहभागिता रा त शि प्र अ सं के बीच भातृभाव का सभी स्तरों में विकास होता है। जिससे रा त शि प्र अ सं तंत्र के संपूर्ण विकास के लिए वांछित भाईचारा और टीम भावना का

विकास होता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए २००५ से प्रति वर्ष अत: रा त शि प्र अ सं., द्वारा खेल समारोह का आयोजन किया जाता है। अब तक चार खेल चंडीगढ़, भोपाल, कोलकता और चेन्नई में चक्राबृत्ति आधार पर प्रतियोगिताएँ सफलता पूर्वक चलाई गई है।

आठवीं खेल प्रतियोगिता - २०१२, २२ से २५, जनवरी २०१२ तक रा त शि प्र अ सं. चेन्नई में आयोजित हुई।

खेल प्रतियोगिता में निम्नलिखित खेल चलाए गए।

बैडमिंटन	कैरम
टेबिल टेनीस	वॉलीबाल
चेस	ऑक्शन ब्रिज
दौड़ - १०० मीटर्स	

उक्त खेलों के अतिरिक्त निम्नलिखित रंग रलिमों का भी आयोजन हुआ यथा स्पून रेस, म्यूजिकल चेयर, सोडोकु, रंगोली और रस्सा-कर्शा। सभी खिलाड़ियों परिवार के सदस्यों, संकाय और स्टाफ ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। चार रा त शि प्र अ सं. से कुल ७८ प्रतिभागियों ने खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। रा त शि प्र अ सं. चेन्नई से २३ व्यक्तियों ने भाग लिया और सभी प्रतिभागियों ने पदक जीते।

खेलकूद का उद्घाटन २२ जनवरी २०१२ को प्रतिभागियों द्वारा मार्चपास्ट के साथ हुआ। खेलकूद के समन्वयक डॉ. आर. त्यागराजन, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई ने अध्यक्षीय भाषण दिया। प्रो. एल.एस. गणेश, डीन छात्र कार्य, आई आई टी, मद्रास, मुख्य अतिथि थे। और उन्होंने खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों को शपथ दिलाई। प्रो. डॉ.के.एस रस्तोगी, निदेशक रा त शि प्र अ सं. चंड़ीगढ़, प्रो. डॉ. बी.एल. गुप्त, रा त शि प्र अ सं. भोपाल और डॉ. आर. श्रीनिवासन, रा त शि प्र अ सं. कोलकाता ने बधाई दी।

समापन समारोह में प्रो.डॉ.एस. मोहन, निदेशक, रा त शि प्र अ सं. ने अध्यक्षासन ग्रहण किया। डॉ. नागेश आर. अरूयर, निदेशक, (सी एस आई आर-एस ई आर सी), सी एस आई आर, मद्रास काम्पलेक्स, चेन्नई मुख्य अतिथि रहे। श्री एस. राजशेखर, खेलकूल प्रभारी अधिकारी, रा त शि प्र अ सं. चेन्नई खेल प्रतियोगिता की रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्री एम. रामकुमार, महा प्रबंधक, कैनरा बैंक, श्री वी. सोमकुमार, मुख्य प्रबंधक, आई ओ बी, तिरुवान्मियूर शाखा और प्रो. जी. पी. ठाकुर, अध्यक्ष, InSPA, नई दिल्ली ने बधाई दी। श्री वी. वीरासामी, वरि. प्रशासनिक अधिकारी रा त शि प्र अ सं. चेन्नई ने धन्यवाद समर्पित किया। रा त शि प्र अ सं., भोपाल ने चैम्पियनशिप ट्रॉफी जीती।

16.0 संकाय समाचार

इस संस्था के अधिकांश सदस्यों ने विभिन्न विशेष समितियों में बतौर सदस्य भाग लिया जिसका गठन एआईसीटीई, मा.सं.वि.मं., आईएसटीई, तकनीकी शिक्षा निदेशालयों, विश्वविद्यालयों और दक्षिण क्षेत्र के स्वशासी कालेजों ने किया।

सम्मिलित प्रशिक्षण और संकाय विकास कार्यक्रम:

१. डॉ.जी. जनार्दनन और श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार ने १६-१८ फरवरी २०१२ को आटोडेस्क केंद्र, बैंगलूर में आटो डेस्क केंद्र, बैंगलूरु द्वारा संचालित आटो उत्पाद और निर्माण सूचना प्रतिरुचण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

२. डॉ. टी. जगद्रक्षकन, डॉ. आर. शांतकुमार, डॉ. जी. जनार्दनन और श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार ने ९-१३ जनवरी २०१२ को आटो डेस्क केंद्र, बैंगलूरु में आटो डेस्क केन्द्र, बैंगलूर द्वारा संचालित आटो उत्पाद और निर्माण सूचना प्रतिरुचण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

३. श्री एम. सेंतिलकुमार, डॉ.एस. सोमसुंदरम, डॉ. वी.शिवकुमार और श्री एम. गणेशन ने २१.११.२०११ से २५.११.२०११ तक आटो डेस्क केन्द्र, बैंगलूरु में आटो डेस्क केंद्र द्वारा आयोजित आटो केड और आटो डेस्क इन्वेन्टर २०१२ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध पत्र:

१. बृहदीश्वरन, डी. (२०१२, जनवरी)। टी वी ई टी कार्यक्रम और संस्थानों के प्रत्यायन और प्रमाणीकरण में समस्याएँ और समाधान : भारत का अनुभव रा त शि प्र अ सं., चेन्नई में सी पी एस सी, मनीला, फिलिपीन्स के सहयोग से प्रत्यायन के माध्यम से तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में १२ जनवरी २०१२ को प्रस्तुत शोध पत्र।

२. बृहदीश्वरन, डी. (२०११, अगस्त)। संकाय विकास और प्रशिक्षण ३१ अगस्त २०११ को अण्णा यूनिवर्सिटी में तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता पर विचार गोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्र।

३. बृहदीश्वरन, डी. और लक्ष्मी नारायणन, डी. (२०११, जुलाई)। अल्पकार्य संपादकों के लिए सी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में निदानात्मक परीक्षण का विकास और मान्यकरण २२ जुलाई २०११ को वेल्लूर प्रोद्योगिकी संस्थान वेल्लूर में हुए अंतर्राष्ट्रीय स्कूल मनोविज्ञान एसोसिएशन (आई एस पी ए) के ३३-वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

४. बृहदीश्वरन, डी. (२०११, एप्रैल)। नाच्चिमुत्तु पॉलिटेकनीक कालेज, पोल्लाच्ची द्वारा टी वी एस मोटर कंपनी होसूर की साझेदारी से संघारणीय तकनीकी शिक्षा कार्यक्रम का व्यक्ति अध्ययन १-३ एप्रैल २०११ को आई आई टी, दिल्ली में उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

५. डेक्सन, डी.ई. और सुरेश, ई.एस.एम. (२०११, दिसंबर)। अधिगम के लिए अध्येता केंद्रित अनुकूली और बृद्धिमत्तापूर्ण ई पोर्ट फोलियो वास्तुकला (ए आई ई पी ए एल) १४-१६ दिसंबर, २०११ को एम आई टी, चेन्नई में उच्चतर कम्प्यूटिंग (ICoAC-२०११) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

६. धनपाल, एस. (२०११, जुलाई)। यू ट्यूब का उपयोग, करते हुए एन पी टी ई एल का प्रतिक्रिया मूल्यांकन १९-२० जुलाई, २०११ को वी आई टी यूनिवर्सिटी, वेल्लूर में हुए ३३वें आई एस पी ए सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

७. कुलन्दैवेल, जी. (२०१२, जनवरी)। प्रशिक्षण में लिवरेजिंग डिजिटल टेकनोलोजस २७ और २८ जनवरी २०१२ को अरविंदर कालेज आफ इंजीनियरिंग, पुदुचेरी में हुए आई एस पी ए २०१२ सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

८. कुलन्दैवेल, जी. (२०१२, मार्च)। वेब पर्यावरण में वेवलेट आधारित टेक्सचर डिस्क्रिप्टर्स का उपयोग करते हुए रीनल लीशन का निदानात्मक वर्गीकरण मार्च २४-२५ २०१२ दुबई, यू ए ई में कम्प्यूटर और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में उद्‌गामी प्रवृत्तियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

९. जनार्दनन, जी. (२०१२, मार्च)। सधारणीय विकास सूचक। ६-८ मार्च को रा त शि प्र अ सं. चेन्नई और जी आर आई गाँधीग्राम द्वारा आयोजित संघारणीय विकास औश्र पर्यावरण प्रबंधन पर अंतराष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत शोध पत्र।

१०. जनार्दनन, जी. (२०११, नवंबर)। विकासशील देशों में उच्च शिक्षा का संकट ११ नवंबर २०११ को रा त शि प्र अ सं. चेन्नई और मुत्तायम्माल इंजीनियरिंग कालेज, राशिपुरम द्वारा आयोजित मिले नियम विकास लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तकनीकी शिक्षा के विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत शोध पत्र।

११. जनार्दनन, जी. (२०११, सितंबर)। संघारणीय शिक्षा - वैश्विक परिप्रेक्षम १५ सितंबर २०११ को रा त शि प्र अ सं. चेन्नई और पी एस एन ए इंजीनियरिंग कालेज, तिंडुक्कल द्वारा संघारणीय शिक्षा वैश्विक इंजीनियरिंग पाठ्यचर्या पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत शोध पत्र।

१२. मल्लिका, पी. (२०११, सितंबर)। कम्प्यूटर और इंजीनियरिंग में ई-कन्टेन्ट विकास के लिए समस्या केंद्रित अभिगम १८-१९ सितंबर २०११ को भुवनेश्वर में हुए शैक्षिक प्रोद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (आई सी ई टी-२०११) प्रस्तुत शोध पत्र।

१३. परमेश्वरन, ए. और सुरेश, ई.एस.एम. (२०११, दिसंबर)। संस्थान पर विहंगम दृष्टि - इंजनियरिंग संस्थाओं में उद्योग का सहयोग - १६-१८ दिसंबर २०११ में बाबा बंदा सिंह बहादुर इंजनियरिंग कालेज (बी बी एस बी ई सी) फतेहगढ़ साहिब, पंजाब में हुए ४१-वें आई एस टी ई राष्ट्रीय वार्षिक समागम और सम्मेलन में उच्च शिक्षा में निसामक निकायों की भूमिका और संगतता पर प्रस्तुत शोध पत्र।

१४. राजशेखकर, एस. (२०११, जुलाई)। गैर तकनीकी सक्षमताओं के रुप में शिक्षक अभिप्रेरण १९-२३ जुलाई, २०११ को वी आई टी यूनिवर्सिटी, वेल्लूर में हुए ३३-वें आई एस पी ए सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

१५. रति. जी.ए. और बृहदीश्वरन, डी. (२०११, जुलाई)। कसॉटी संदर्भित परीक्षणों का उपयोग करते हुए पावर इलेक्ट्रानिक्स के लक्ष्यों की छात्रों द्वारा प्राप्ति का मूल्यांकन। २२ जुलाई २०११ को वेल्लूर इन्स्टिटूट आफ टेकनोलोजी, वेल्लूर में हुए अंतर्राष्ट्रीय स्कूल मनोविज्ञान एसोसियशेन (आई एस पी ए) के ३३-वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

१६. रेणुका देवी, एस. (२०१२, मार्च)। मा सं वि के लिए परामर्श देना। २ मार्च २०१२ को कर्पगम यूनिवर्सिटी, कोयम्बत्तूर में हुई तकनीकी शिक्षा में मानव संसाधन विकास पर संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्र।

१७. रेणुका देवी, एस. (२०११, जुलाई)। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा द्वारा महिला सशक्तीकरण - बहुराष्ट्री ए प्रशिक्षण परिप्रेश्य। १९-२३ जुलाई २०११ को वी आई टी यूनिवर्सिटी, वेल्लूर में हुए ३३-वें आई एस पी ए सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

१८. रेणुका देवी, एस. (२०११, जुलाई)। इंजीनियरिंग कालेज कक्षा में छात्र अभिप्रेरण प्रबंधन। १९-२३ जुलाई को वी आई टी यूनिवर्सिटी, वेल्लूर में हुए ३३-वें आई एस पी ए सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

१९. रेणुका देवी, एस. (२०११, जुलाई)। इंजीनियरिंग शिक्षा में आई टी छात्रों की जीविका समन्वेषण आवश्यकाएँ - १९-२३ जुलाई २०११ को वी आई टी यूनिवर्सिटी, वेल्लूर में हुए ३३वें आई एस पी ए सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

२०. षण्मुगनीदि, वी. (२०११, जुलाई)। वेब सेवाओं के माध्यम से ऐस्पेक्ट ओरियन्टेड प्रोग्रामिंग उपयोग करते हुए एस क्यू एल इन्जेक्शन वल्नरेबिलिटीज़ का निवारण - एस क्यू एल आई वी डी - ए ओ पी। १९ और २० जुलाई २०११ को चंडीगढ़, भारत में हाई पुर्फामेन्ज ऑर्किटेक्चर एण्ड ग्रिड कम्प्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

२१. षण्मुगनीदि, वी. (२०११, जुलाई)। ऐस्पेक्ट ओरियन्टेड प्रोग्रामिंग के माध्यम से एक्स एम एल डेटा बेसेस में एक्स पाथ इन्जेक्शन वल्नेरेबिलिटीज़ का रनटाइम डिटेक्शन - एक्स आई वी डी। १५-१७ जुलाई २०११ को चेन्नई भारत में कम्प्यूटिंग एण्ड इन्फॉर्मेशन में प्रगति पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र। कम्प्यूटर और सूचना विज्ञान, स्प्रिंजर, जर्मनी में प्रकाशन के लिए यह शोध पत्र चुना गया।

२२. शिवशंकर, पी. (दिसंबर, २०११)। ओ एफ डी एम सिस्टम में इन्टर कैरियर इन्टरफियरेन्स का फ्रीक्वेन्सी डोमाइन एस्टिमेशन एण्ड कॉम्पेन्सेशन। कम्प्यूटेशनल इन्टेलिजेन्स और कम्प्यूटिंग रिसर्च पर आई ई ई ई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रसतुत शोध पत्र।

२३. शिवकुमार, वी.पी. (जुलाइ, २०११)। मल्टीमीडिया के अभिकल्प में मनोवैज्ञानिक सिद्धांत और नीति - २ जुलाई २०११ को वेल्लूर इन्स्टिटूट आफ टेकनोलोजी में हुए अंतर्राष्ट्रीय स्कूल मनोविज्ञान एसोसियेशन (आई एस पी ए) के ३३वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

२४. सुरेश, ई.एस.एम. और डेक्सन, डी.ई. (२०११, दिसंबर)। एडाप्ठिव ई-लर्निंग पोर्टल के लिए न्यूरल नेटवर्क आधारित निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली - ९-१२ अक्टूबर २०११ को यूनिवर्सिटी सैन्स मलेशिया द्वारा शिक्षा में मापन और मूल्यांकन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र।

पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र:

१. बृहदीश्वरन, डी. (२०११)। भारत मं उच्च शिक्षा संस्थाओ के संकाय का निष्पादन का मूल्यनिरुपण - ए एम ई टी जर्नल आफ मैनेजमेन्ट, Vol. २, No.१, २७-३१

२. मोहन, एस. और जनार्दन, जी. (२०११)। मिलेनियल की आवश्यकता के अनुकूल संकाय विकास कार्यक्रम आई एस टी ई स्पेशल प्रकाशन।

३. रेड्डि, के. आर, जनार्दनन, जी. और बॉग्नर, जे.ई., अपचयन की विभिन्न अवस्याओं में नगर ठोस कचरों का भू तकनीकी गुण वेस्ट मैनेजमेन्ट, Vol.३१, No.११, २०११, pp.२२७५-२२८६

४. जेनीला, एल.एम. और बृहदीश्वरन, डी. (२०११)। अल्प कार्य संपादकों क लिए डेटा संरचनाओं में द्वि श्रृंख्लित सूचयों पर निदानात्मक परीक्षण का विकास, Vol. २, No.११, ६०९-६१६.

५. मल्लिका, पी. वेंकटेश, एन और संबंधन, टी.जी. (२०११)। कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग ई-कन्टेन्ट विकास के लिए समस्या केंद्रित अनुदेशात्मक अभिगम - इंटरनेशनल जर्नल आफ इंटरनेट कम्प्यूटिंग (आई जे आई सी), ISSN No: २२३१-६९६५, Vol .१, Issue -२.

६. पुरुषोत्तमन, पी. और सुरेश, ई.एस.एम. (२०११)। हमारी चित्र पुस्तक और मनन द्वारा सीखना जर्नल आफ इंजीनियरिंग साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट एजुकेशन, रा त शि प्र अ सं. भोपाल, Vol. ४, Issue-III, १८६-१८८.

७. राजेन्द्रन, आर. और शिवशक्ति, एम. (२०११)। जावा का उपयोग करते हुए वस्तु अभिविन्यस्त प्रोग्रामिंग रूपावली की अभिगम कठिनाइयाँ - इंडियन जर्नल आफ साइन्स एण्ड टेकनोलोजी Vol.४, Issue ८, pp.९८३-९८५.

८. राजेन्द्रन, आर. और शिवशक्ति, एम. (२०११)। जावा प्रोग्रामिंग के मूल्यांकन के लिए पुनरीक्षित ब्लूम का वर्गीकरण विज्ञान इंटर नेशनल जर्नल आफ रिसर्च इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन एण्ड मैनजमेन्ट, Vol. १, Issue.७, pp.८४-८७.

९. षण्मुगनीदि, वी. रविचंद्रन, आर., और स्वामीनाथन, एस. (२०११)। पी एक्स पाथ वी : वेब एप्लिकेशन में एक्स पाथ इन्जेक्शन वल्नेरिबिलिटीज़ निवारण : इन्टर नेशनल जर्नल आफ वेब सर्विसेस कम्प्यूटिंग (आई जे डब्ल्यू एस सी), Vol.२, No.३, सितंबर २०११, pp ५७-६४.

१०. षण्मुगनीदि, वी. (२०११)। पार्से ट्री वैलिडेशन का उपयोग करते हुए फिशिंग ऐटाक निवारण के लिए सुहढ़ रक्षा प्रणाली - सिप्रंगर - लेक्चर नोट्स इन कम्प्यूटर साइन्स, Vol. ७१३५ , pg ५५१, १६-१८।

११. शिवशंकर, पी. (दिसंबर, २०११)। मेनेट के लिए एनर्जी एफिशियन्ट रूटिंग प्रोटोकाल्स का निष्पादन मूल्यांकन - आई जे सी ए इन्टरनेशनल जर्नल, अगस्त २०११।

१२. शिवशंकर, पी. (दिसंबर, २०११)। मेनेट के लिए एनर्जी एफिशियन्ट रूटिंग अल्गोरितम्स एण्ड पेर्फामेन्स कम्पारिसन - सी आई आई टी इंटरनेशनल जर्नल, जुलाई २०११।

प्राप्त पुरस्कार

१. डॉ. जी. जनार्दनन को इन्स्टिटूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) **यंग इंजीनियर अवार्ड - २०१२** प्रदान किया।

२. डॉ. डी. बृहदीश्वरन को पांडिचेरी साइकॉलोजी एसोसियेशन ने २७ जनवरी २०१२ को **प्रो.ए.ज्ञानम बेस्ट टीचर अवार्ड-२०११** प्रदान किया।

३. डॉ. आर. रविचंद्रन को सोसाइटी फॉर द एड्वान्समेन्ट ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इन्फर्मेशन साइन्स (एस ए एल आई एस) चेन्नई ने आटोलिब-तमिलनाडु-**बेस्ट लाइब्रेरियन अवार्ड फॉर द इयर २०१०** प्रदान किया।

17.0 आभार प्रदर्शन

संस्थान निम्नलिखित को अपना आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करता है:

- भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग) को सभी कार्यक्रमों और कार्यकलापों में सतत समर्थन के लिए।
- शासक मंडल और उसकी उपसमितियों को संस्थान के कार्य संचालन में योगदान के लिए।
- ऑन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के राज्य सरकारों को और संघ शासित राज्य क्षेत्र पुदुचेरी को संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए शिक्षकों को प्रतिनियुक्त करने में सहयोग और सहायता के लिए।
- विभिन्न उद्योगों और उनके प्रबंधन विभागों को संस्थान के कार्यक्रमों के प्रभावात्मक संचालन के लिए सहयोग और सहायता के लिए।
- संस्थान के संकाय और स्टाफ को रिपोर्टाधीन वर्ष को महत्व पूर्ण बनाने में कठिन परिश्रम और समर्पण भावना के लिए।
- समाचार पत्रों, आकाशवाणी और दूरदर्शन को संस्थान के कार्यक्रमों और कार्यकलापों के प्रचार और समर्थन के लिए।

18.0 शासक मंडल

बोर्ड के शासक मंडल वित्त समिति और विभिन्न समितियों का गठन परिशिष्ट (i) और (ii) में दिया गया है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट - I

वित्त समिति

अध्यक्ष	**डॉ. एस.आर.के. प्रसाद** अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक कृष्ण औद्योगिक निगम लि., आर/ओ ८, ९, १० राजेश्वरी नगर, सौरीपालयम, कोयम्बत्तूर - ६४१ ०२८
सदस्य	**संयुक्त सचिव (त)** उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन नई दिल्ली - ११० ००१
	वित्त सलाहकार एकीकृत वित्त प्रभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन नई दिल्ली - ११० ००१
	तकनीकी शिक्षा आयुक्त तकनीकी शिक्षा निदेशालय तमिलनाडु राज्य सरकार गिण्डी, चेन्नई - ६०० ०२५
सदस्य-सचिव	**प्रो. डॉ. एस. मोहन** निदेशक राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

बोर्ड की उप समितियॉ

1. कर्मचारी चयन समिति

[ए आई सी टी ई के मानदंड के अनुसार]

सदस्य	अध्यक्ष शासक मंडल रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३
	निदेशक रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३
	विभागाध्यक्ष प्राचार्य स्तर के रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - ६०० ११३
	ए आई सी टी ई से नामित प्रचार्य स्तर के विषय के दो विशेषज्ञ

2. भवन निर्माण समिति

अध्यक्ष	तकनीकी शिक्षा आयुक्त तकनीकी शिक्षा निदेशाल्य तमिलनाडु राज्य सरकार गिण्डी, चेन्नई - ६०० ०२५
सदस्य	अधीक्षक अभियन्ता के.लों.नि.वि., चेन्नई - ६०० ००६
	अधीक्षक अभियन्ता (तकनीकी शिक्षा डिवीज़न) लोक निर्माण विभाग तमिलनाडु राज्य सरकार सरदार पटेल रोड चेन्नई - ६०० ०२५
सदस्य / सचिव	निदेशक रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३

3. विभागीय पदोन्नति समिति

अध्यक्ष	निदेशक, रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३ द्वारा नामित
सदस्य	वरिष्ठ संकाय सदस्य
	एक सदस्य (अल्प संख्यक समुदाय से एक प्रतिनिधि)
	वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३
	लेखाधिकारी रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - ६०० ११३

परिशिष्ट - III

1. अकादमीय परिषद

अध्यक्ष	निदेशक राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३
सदस्य	सभी प्राचार्य / विभागाध्यक्ष दो एसोसियेट प्रोफेसर दो सहायक प्रोफेसर तकनीकी शिक्षा क्षेत्र से दो सुविज्ञ व्यक्ति और उद्योगों से दो

2. समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड

१. प्रो. डॉ. एस. मोहन	-	अध्यक्ष
२. डॉ. वी. तणिकाचलम	-	सदस्य (३०.०९.२०११ तक)
३. डॉ. एस. धनपाल	-	सदस्य
४. डॉ. वी.के. नटराजन	-	सदस्य
५. डॉ. पी. शिवकुमार	-	सदस्य
६. डॉ. जी. कुलन्दैवेल	-	सदस्य

3. एम.टेक. (मा.सं.वि) कार्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड

१. प्रो. डॉ. एस. मोहन - अध्यक्ष

२. डॉ. बी.जी. बर्की - सदस्य (३०.०४.२०११ तक)

३. डॉ. वी. तणिकाचलम - सदस्य (३०.०९.२०११ तक)

४. डॉ. डी. बृहदीश्वरन - सदस्य (२८.०२.२०१२ तक)

५. डॉ. जी. कुलन्दैवेल - सदस्य

६. डॉ. एस. रेणुका देवी - सदस्य (०१.०५.२०११ से)

७. दो छात्र प्रतिनिधि

4. डॉक्टरी उपाधि कार्यक्रम के लिए अध्ययन मण्डल (अनुसंधान अध्ययन)

१.	प्रो. डॉ. एस. मोहन	अध्यक्ष	
२.	डॉ. डी. बृहदीश्वरन	समन्वयक	(२८.०२.२०१२ तक)
३.	डॉ. बी.जी. बर्की	सदस्य	(३०.०४.२०११ तक)
४.	डॉ. वी. तणिकाचलम	सदस्य	(३०.०९.२०११ तक)
५.	डॉ. बी. मुखोपाध्याय	सदस्य	(३१.०८.२०११ तक)
६.	डॉ. टी. ज्ञानसंबंधन	सदस्य	
७.	डॉ. पी. अरुणकुमार	सदस्य	
८.	डॉ. एस. धनशेखरन	सदस्य	
९.	डॉ. एस. धनपाल	सदस्य	
१०.	डॉ. पी. शिवकुमार	सदस्य	
११.	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	सदस्य	
१२.	डॉ. एस. रेणुका देवी	सदस्य	
१३.	डॉ. आर. राजेन्द्रन	सदस्य	

परिशिष्ट - IV

शिकायत निवारण समिति

डॉ. डी. बृहदीश्वरन प्रो. व नीतियोजना और शैक्षिक अनुसंधान के विभागाध्यक्ष	**अध्यक्ष** **(२८.०२.२०१२ तक)**
डॉ. एस. धनपाल प्रो. व पाठ्यचर्या विकास केंद्र के विभागाध्यक्ष	सदस्य
डॉ. वी. पी. शिवकुमार प्रो. व शैक्षिक प्रोद्योगिकी मल्टीमीडिया विभाग के विभागाध्यक्ष	सदस्य
श्री वी. वीरासामी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	सदस्य (फरवरी २०१२ तक)

परिशिष्ट - V

लोक सूचना अधिकारी

श्री वी. वीरासामी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	-	(फरवरी २०१२ तक)
डॉ. जी. कुलन्दैवेल एसोसिएट प्रोफेसर	-	(मार्च २०१२ से)

कार्यस्थल पर महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के निवारण के लिए समिति

डॉ. एस. रेणुका देवी शिक्षा के एसोसियेट प्रोफेसर	**अध्यक्ष**
डॉ. एस. धनपाल पाठ्यक्रम विकास केन्द्र के प्रोफेसर	सदस्य
श्री वी. वीरासामी वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी	सदस्य (फरवरी २०१२ तक)
श्रीमती आर. वनजाकुमारी निदेशक के वरिष्ठ व्यक्तिक सहायक	सदस्य

परिशिष्ट - VI

समिति की बैठकों के विवरण

	सं.	
शासक मंडल	२२-वीं	१८.०७.२०११
	२३-वीं	०५.११.२०११
	२४-वीं	११.०२.२०१२
रा त शि प्र अ सं, चेन्नै सोसाइटी	८-वीं	०५.११.२०११
वित्त समिति	१९-वीं	१८.०७.२०११
	२०-वीं	०५.११.२०११
	२१-वीं	११.०२.२०१२
शैक्षिक परिषद	९-वीं	२६.०४.२०११
वि.प.स.	३७-वीं	१९.०४.२०११

संकाय और कर्मचारी गण सूची

निदेशक	**प्रो. डॉ. एस. मोहन, एम.ई., पी हेच.डी., एफ.एन.ए.ई.,**
प्रशासनिक कार्यालय	**श्री वी. वीरासामी, एम.कॉम. पीजीडीएलए, पीजीडीएम केटीजीएम, पीजीडीएमएम** वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (फरवरी २०१२ तक)
पर्यावरण प्रबंधन केन्द्र	**प्रो. डॉ. एस. मोहन, एम.ई., पी हेच.डी., एफ.एन.ए.ई.,** निदेशक व अध्यक्ष
	डॉ. जी जनार्दनन, एम.ई., पी हेच.डी. (यू एस ए) अतिथि संकाय
संधारणीय विकास केंद्र	**डॉ. वी.के. नटराजन, एम.ए., एम.ए., पी हेच.डी.,** प्रोफेसर
सिविल अभियांत्रिकी	**डॉ. टी. जगदरक्षकन, बी.ई. (आनर्स), एम.ई., पी हेच.डी.** एसोसियेट प्रोफेसर
	श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार, एम.ई. सहायक प्रोफेसर
कम्प्यूटर केंद्र	**डॉ टी.जी. संबंधन, एम.ई., पी हेच.डी., पी जी डी पी एम** इ डी पी प्रबंधक
	श्रीमती पी. मल्लिका, बी.ई., एम.एस. वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट
	श्री वी. षण्मुगनीदि, एम.ई., सहायक प्रोफेसर
	श्री डी.वी. सूर्यनारायण, बी.ई., प्रोग्रामर
पत्राचार पाठ्यक्रम	**डॉ. वी. तणिकाचलम, बी.ई., एम.टेक, एम एस (एड) (यू एस ए), पी हेच.डी., एफ आई ई (इंडिया)** प्रोफेसर (३०.०९.२०११ तक)

पाठ्यक्रम विकास केन्द्र	**डॉ. एस. धनपाल, बी.ई., एम. एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	डॉ. आर. शान्तकुमार, एम.ई., पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर, इंजीनियरिंग
शिक्षा	**डॉ. बी.जी. बर्की, एस.एस.सी., एम.एङ, पी हेच.डी., आरबीवी,** प्रोफेसर (३०.०४.२०११ तक)
	डॉ. एस. रेणुका देवी, बी. एस सी., एम.सी.ए., एम.फिल., पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर
	डॉ. आर. राजेन्द्रन, एम.एड., एम.बी.ए. पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर
	श्री के.एस. गिरिधरन, बी.ई., एम.टेक., सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक प्रबंधन और अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान	**डॉ. बी. मुखोपाध्याय, एम.ए., एम.एङ, एम.फिल, पी हेच.डी.,** प्रोफेसर (३१.०८.२०११ तक)
शैक्षिक मीडिया केंद्र	**डॉ. आर. त्यागराजन, एम.ई., एम.एस सी. (आई.टी., यू के), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, बी.ई., एम.ई., पी हेच.डी. सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक प्रोद्योगिकी व मल्टीमीडिया	**डॉ. पी. शिवकुमार, एम.ई., पी जी डी एच ई, पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री ए.पी. फेल्क्सि आरोग्यराज, बी. एस सी., एम.एस सी., डी.एफ. टेक. सहायक प्रोफेसर
विद्युत इंजीनियरिंग	**डॉ. जी.ए. रति, एम.ई., पी जी डी सी ए, पी हेच.डी.** सहायक प्रोफेसर

इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग	**डॉ. एस. धनशेखरन, बी.ई., एम.एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	डॉ. जी. कुळन्दैवेल, एम.ई., पी जी डी सी ए, पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर
	श्री पी. शिवशंकर, एम.ई., सहायक प्रोफेसर
विस्तार केंद्र, बैंगलौर	**डॉ. पी. अरुण कुमार, एम.एस सी., एम.एङ, पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री वी. शिवकुमार, एम.ई., सहायक प्रोफेसर
	श्री एम. सेंतिल कुमार, बी.ई., एम.टेक. सहायक प्रोफेसर (जनवरी २०१२ से)
विस्तार केंद्र, हैदराबाद	**डॉ. सी.आर. नागेन्द्र राव, बी.टेक.एङ, एम.टेक.,** **पी जी डी टी सी ए, पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री यू.एस. साहु, बी.ई., एम.टेक., एसोसियेट प्रोफेसर
विस्तार केन्द्र, कलमसेरी	**डॉ. श्याम प्रकाश, एम.ई., पी. हेचडी.,** प्रोफेसर (प्रतिनियुक्ति पर)
	श्री फिलिप कुरियन, एम.एस सी. (इंजि.) एसोसियेट प्रोफेसर
यांत्रिक इंजीनियरिंग	**श्री एम. सेंतिल कुमार, बी.ई., एम.टेक.** सहायक प्रोफेसर (दिसंबर २०११ तक)
	डॉ. एस. सोमसुन्दरम, एम.ई., पी हेच.डी. सहायक प्रोफेसर
नीति योजना व शैक्षिक अनुसंधान	**डॉ. डी. बृहदीश्वरन, एम.एस सी., एम.एङ, पी हेच.डी.** **डी.एचआरएम.,** प्रोफेसर (२८ फरवरी २०१२ तक)

	श्री एस. राजशेखर, बी.ई. एम.टेक (मा सं वि) अनुसंधान सहायक, शिक्षा
संसाधन केंद्र	**डॉ. आर. रविचंद्रन, एम.एस.सी., एम.एल.ऐ.एस., एम.एड़, एम.बी.ए., पी हेच.डी.,** वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष

होस्टल

वार्डन	**प्रो. डॉ. एस. मोहन** निदेशक
उप वार्डन	**डॉ. ई.एस.एम. सुरेश** एसोसियेट प्रोफेसर शैक्षिक मीडिया केंद्र
सहायक वार्डन	**डॉ. पी. मल्लिका,** वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट कम्प्यूटर केंद्र
	डॉ. आर. रविचंद्रन, वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष संसाधन केंद्र
चिकित्सा अधिकारी (पार्ट-टाइम)	**डॉ. जे.एस.एन. मूर्ति, एम.डी. (मेडिसन)** डी एन बी (कार्डियालजी)

भाग - II

2011-12 साल का
लेखा विवरण

लेख परीक्षा
महा निदेशक (केन्द्रीय),
चेन्नई

३१ मार्च २०१२ को अंत होनेवाले वर्ष के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक (कर्तव्य शक्ति और सेबाशर्तों) अधिनियम, १९७१ की धारा २० (१) के अधीन ३१ मार्च २०१२ पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के संलग्न तुलनपत्र और उस तिथि में समाप्त आय व्यय लेखा / प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा की लेखा परीक्षा की है। वर्ष २०१२-१३ की अवधि तक लेखा परीक्षा सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों पर अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अपनी राय अभिव्यक्त करना है।

२. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा रीति की अनुरुपता के संबंध में लेखा प्रणाली, लेखा प्रणाली मानक, प्रकटन प्रतिमान आदि पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ हैं। विधि, नियम और विनियम (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-निष्पादन पहलू आदि, यदि कुछ हो, के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियाँ पृथक रूप से निरीक्षण रिपोर्ट / सी ए जी लेखा परीक्षा रिपोर्ट के जरिए दर्शायी गयी है।

३. भारत में सामान्यत: या स्वीकृत लेखा परीक्षा मानक के अनुसार हमने लेखा परीक्षा की है। ये मानक यह अपेक्षा करते है कि हम लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन इस प्रकार करें कि हमें यह उचित आश्वासन प्राप्त हो जाए कि वित्तीय विवरण तात्विक गलत विवरण से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में परीक्षण तौर पर लेखों का समर्थन करनेवाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों की जाँच सम्मिलित है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट कथन और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

४. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i हमें अपनी लेखा परीक्षा के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार आवश्यक सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए।

ii इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति और अदायगी लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार बनाए गए हैं।

iii हमारी राय में बहियों की हमारी जाँच के अनुसार खाता बही और अन्य संगत अभिलेख परिशिष्ट में सम्मिलित हमारी टिप्पणी के अधीन राष्ट्रीय तकनीक शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा उचित रूप के रखे गए है।

iv आगे हम रिपोर्ट करते हैं कि:

अ तुलन पत्र

१. आस्तियाँ

१.१ अचल आस्तियाँ

२४,३७,१६८/- रु. पर नई आस्तियाँ अर्जित करने / वर्तमान सुविधाओं के विस्तार के लिए खर्च किए गए पूँजीगत व्यय राजस्व व्यय के रूप में प्रभारित है। परिणाम स्वरूप २४,३७,१६८/- रु. तक राजस्व व्यय की अत्युक्ति और अचल आस्तियों का न्यूनोक्ति हो गयी है।

आ आय-व्यय लेखा

२.१ आय

(i) ३.७० करोड रु. के संपूर्ण पूँजीगत अनुदान को आधार भूत निधि में अंतरित करने के बदले आय के रूप में आय-व्यय लेखे में अंतरित किया गया है। परिणाम स्वरूप ३.७० करोड रु. तक आय और अधिशेष हो गया है।

(ii) धर्मस्व निधि पर ब्याज को लेखा बद्ध करने से व्यय से अधिक आय की अत्युक्ति हो गयी है (आय-व्यय लेखा) और १५,३१,६१६/- रु. तक पूँजीगत निधि लेखे का अधिविवरण और उद्दिष्टा धर्मस्व निधियों की न्यूनोक्ति हो गयी है।

(iii) प्रत्येक पाठ्यक्रम शुल्क के रूप में वसूल किए गए १०,४०० रु. का आधार भूत निधि में अनंतरण करने से २,२८,८०० रु. (१०,४०० रु. X २२) की अत्युक्ति हो गयी है और उसी हद तक आधार भूत निधि की न्यूनोक्ति हो गयी है।

(iv) परियोजना लेखे में २६,४७,८६५/- रु. (२६,८२,८६५-३५,००० रु.) की सावधि जमा से अजिति ब्याज वर्ष के आय-व्यय लेखे में पृथक रूप में न दिखाने से परियोजना लेखे में आय की न्यूनोक्ति और व्यय से अधिक आय की अत्युक्ति हो गयी है।

इ सहायता अनुदान

कुल १५.६० करोड़ रु. के सहायता अनुदान में से जिसमें आंतरिक प्राप्तियों ०.४५ करोड़ और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि ४.२१ करोड़ रु. शामिल है, संस्थान केवल १८.८८ करोड़ रु. खर्च कर सका जिसके कारण ३१ मार्च २०१२ को अव्ययित नुदान के रूप में १.३८ करोड़ रु. की शेष राशि रह गई।

ई लेखे पर लेखा परीक्षा की टिप्पणी का प्रभाव

पिछले अनुच्छेदों में दी गई टिप्पणियों का कुल प्रभाव यह है कि ३१.०३.२०१२ को आय की ०.२४ करोड़ रु. तक की न्यूनोक्ति और व्यय से अधिक आय रु.३.८८ करोड़ तक अत्युक्ति हो गयी है।

उ प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में असम्मिलित कमियों का ध्यान राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई को पृथक रुप से प्रबंधन पत्र द्वारा आकर्षित किया गया ताकि उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

v पिछले अनुच्छेदों में हमारी टिप्पणी के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति-अदायगी लेखा वही खातों से मेल जाते हैं।

vi हमारी राय और जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीति और लेखा नोट सहित और उपरोक्त विशिष्ट मामलों के और इस रिपोर्ट में उल्लिखित अनुबंध के अधीन भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धातें के अनुरुप सही और स्पष्ट रूप प्रस्तुत करते हैं।

क. जहाँ तक तुलन पत्र का संबंध है ३१ मार्च २०१२ को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई की परिस्थिति।

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त आय-व्यय लेखे के अधिशेष का संबंध है।

भारत के लेखा-नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक के लिए / की ओर से

ह/-
लेख परीक्षा महा निदेशक (केन्द्रीय), चेन्नई

स्थान : चेन्नई
दि. ०६-०२-२०१३

पृथक लेखा परीक्ष रिपोर्ट का अनुबंध

आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली नहीं है।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:

संस्थान ने कोई लेखा मेनुअल तैयार नहीं किया है। उसके अभाव में यह संभव है कि लेखा विधि और प्रणाली का अनुपालन न हुआ हो। लेखा अभिलेख अद्यतन नहीं है यद्यपि पृथम सामान्य खाता बही रोकड़ बही और सहायक अभिलेख रखे गए हैं।

अचल आस्तियों का भौतिक सत्यापन:

अचल आस्त्यिों और वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन २०११-१२ के दौरान नहीं हुआ।

सांविधिक देय राशि की अदायगी में नियमितता:

२०११-१२ के दौरान ७८,२८० रु. (४,१२० रु. प्रति कार्यक्रम) वसूल किए गए किंतु सरकार को विप्रेषित नहीं किए गए।

ह/-
लेखा परीक्षा अधिकारी

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

2011-12

का वार्षिक लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

३१.०३.२०१२ को तुलन पत्र

आधारभूत / पूँजी निधि व देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष 2011-2012	गत वर्ष 2010-2011
आधार भूत / पूँजी निधि और देयताएँ	1	225,176,489.25	210,719,957.71
आरक्षित व अधिशेष	2		
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	18,711,783.00	18,711,783.00
जमानती ऋण और उधार राशियाँ	4		
गैर जमानती ऋण व उधार राशियाँ	5		
आस्थगित जमा देयतायें	6		
चालू देयताएँ और प्रावधान	7	25,169,135.98	11,692,504.98
योग		**269,057,408.23**	**241,124,245.69**
परिसंपत्तियाँ			
अचल परिसंपत्तियाँ	8	119,822,721.00	128,592,374.00
निवेश राशियाँ - उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से	9		
निवेश - अन्य	10		
चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियॉ आदि	11	149,234,687.23	112,531,871.69
फुटकल व्यय			
योग		**269,057,408.23**	**241,124,245.69**
महत्वपूर्ण लेखा बीमा	24		
लेखे पर प्रासंगिक देयतायें तथा लेखे पर टिप्पणियाँ	25		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

३१.०३.२०१२ को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(रुपयों में)

	अनुसूची	चालू वर्ष 2011-2012	गत वर्ष 2010-2011
आय			
क्रय/सेवाओं से आय	12	1,060,853.00	1,847,394.00
अनुदान आर्थिक सहायताएँ	13	156,000,000.00	127,114,000.00
चंदा शुल्क	14	1,321,432.00	111,133.00
निवेशों से आय	15	4,043,609.00	1,972.878.00
रायल्टी व प्रकाशन आदि से आय	16	79,835.54	175,281.24
अर्जित ब्याज	17	6,804.00	0.00
अन्य आय	18	871,430.00	-391,447.00
तैयार माल और चालू कार्यो के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19		
योग (अ)		**163,383,963.54**	**130,829,239.24**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	86,476,960.00	78,049,438.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	30,986,960.00	18,419,433.75
अनुदान, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय	22	15,427,134.00	15,576,411.25
ब्याज	23	0.00	
मूल्यह्रास	8	16,036,378.00	17,664,692.00
योग (आ)		**148,927,432.00**	**129,709,975.00**
आय से ज्यादा व्यय की शेष राशि (अ-आ)			
विशेष आरक्षण में स्थानांतरित (हरेक को विर्निदिष्ट करें)			
सामान्य आरक्षण निधि को / से स्थानांतरित			
शेष राशि जो आधार भूत पूँजी निधि (B-A) को अग्रानीत अधिशेष / (घाटा) है		**14,456,531.54**	**1,119,264.24**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

वर्ष ३१ मार्च, २०१२ को समाप्त अवधि / वर्ष का प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

प्राप्तियाँ	2011-12 रु. पै.	2010-11 रु. पै.	अदायगी	2011-12 रु. पै.	2010-11 रु. पै.
I. अथ शेष जमा			**I. व्यय**		
अ) रोकड़ शेष	325000.00	99600.00	अ) स्थापना व्यय	74427381.10	78915446.00
आ) बैंक शेष					
i) चालू खाते में	19922258.29	9786952.05	आ) प्रशासनिक व्यय	28361943.90	20557325.75
ii) जमा लेखे में	23308983.00	42120000.00			
iii) परियोजना शेष	3663.00				
राजीव गॉधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता			**II. विविध परियोजनाओं के लिए निधि द्वारा अदायगी**		
			राजीव गांधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता-बि.वि.आ.		289000.00
			नियमित परियोजनायें		3335664.00
II. प्राप्त अनुदान			योजना आवर्ती	7870734.00	18174663.25
अ) भारत सरकार से			विकलांग व्यक्तियों के लिए योजना		
गैर-योजना	99000000.00	59021000.00			
गैर-योजना देय	29793000.00	29754000.00			
योजना (पूँजीगत आस्तियॉ)	37000000.00	22500000.00			
योजना (पूँजीगत आस्तियॉ देय)	10000000.00				
योजना	20000000.00	5800000.00			
आ) राज्य सरकार से					
इ) अन्य स्त्रोतों द्वारा (विवरण)					
ए आई सी टी ई पी जी अनुदान (पूँजी व राजस्व व्यय के अनुदान को अलग दर्शायें)			**III. निवेश व निक्षेप**		
			अ) उद्दिष्ट / अक्षय निधि से		
ई) परियोजना अनुदान:			आ) निजी निधि से (अन्य निवेश)		
राजीव गांधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता		**294856.00**			
			IV. अचल परिसंपत्तियों व चालू कार्य पूँजी पर व्यय		
III. निवेशों से आय			अ) अचल परिसंपत्तियों का क्रय	4324969.00	12230880.00
अ) उद्दिष्ट / अक्षय निधियॉ		**18166.00**	आ) पी डबल्यू डी को जमाराशि	48644000.00	
आ) निजी निधि (अन्य निवेश)					
c/o	**239352904.29**	**169394574.05**		**163629028.00**	**133502979.00**

b/f	**239352904.29**	**169394574.05**		**163629028.00**	**133502979.00**
IV. प्राप्त ब्याज			**V. अधिशेष धन की वापसी / ऋण**		
अ) बैंक जमा रशियों पर	3347518.00	1945443.00	अ) भारत सरकार को		
आ) ऋण व अग्रिम आदि			आ) राज्य सरकार को		
			इ) वापस की गई मा.सं.वि.मं. परियोजना शेष		
V. अन्य आय (विनिर्दिष्ट करें)					
ऋण की वसूली व अग्रिम			**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
किराया प्राप्ति	1018229.00	1264429.00			
फुटकल प्राप्तियाँ	1789455.00	5628515.04	**VII. अन्य भुगतान (विनिर्दिष्ट करें)**		
रायल्टी व पुस्तकों की बिक्री	92613.54	392750.00	वापसी योग्य जमा राशि	4921063.00	2484081.80
पाठ्यक्रम शुल्क	1227432.00	353867.00	ऋण व अग्रिम		8226246.00
शिक्षुता			एस डी आर जमा	125773130.00	
अनुसंधान छात्र - एफ आई पी	170000.00		केंद्रीय भूजल बोर्ड		
शिक्षु प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	24269.00	44079.00	राष्ट्रीय मीडिया अनुदेश संस्थान		
दीर्घवधि प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति		13429.00	आई डी डी एस	281500.00	453000.00
या.भ. / म.भ.		26948.00	एम टेक मा.सं.वि के लिए छात्रवृति	150000.00	86150.00
तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका	400.00		अनुसंधान स्टडी तक. शि. III		
सेमिनार हाल /अतिथिगृह/छात्रावास के लिए किराया		96693.00	समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	12799070.00	8938843.00
ए आई सी टी ई			अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी		
ए आई सी टी ई ग्रीष्मकालीन स्कूल			फिनिशिंग स्कूल		1610.00
आवासी प्रभार (हॉस्टल)			प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम-एआईसीटीई		
स्टाफ क्वार्टर्स के लिए अवधान जमा			राजीव गाँधी राष्ट्रीय F/w		
पी.हेचडी. के लिए अवधान सी जमा			राष्ट्रीय कौशल विकास	14624.00	
सीडी-१ टीएनआरएस परियोजना			अतिथिगृह व्यय		
सामुदायिक हाल जमा	1500.00	12000.00	निमि परियोजना	38074.00	
टेलीफोन विभाग में जमा					
एस डी आर जमा	112017609.00				
डी पी आर लक्षद्वीप परियोजना					
बयाना जमा	85800.00				
c/o	**359127729.83**	**179172727.09**	**योग**	**307606489.00**	**153692909.80**

b/f	**359127729.83**	**179172727.09**		**307606489.00**	**153692909.80**
फिनिशिंग स्कूल		35000.00			
भूजल प्रबंधन और विनियमन					
जीएसएल आई एस	184896.00	86082.00			
अतिथिगृह व्यय					
आईडीडीएस	760000.00	970790.00			
प्रदत्त पेंशन	315109.00				
छुट्टी यात्रा रियासत		817.00			
परियोजना लेखा	80400.00				
मल्टीमीडिया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम					
आई एस पी ए सम्मेलन	13331.00				
विदेश मंत्रालय से प्राप्त ओटीसी	25008931.00				
राष्ट्रीय कौशल विकास	7385.00				
सी पी एस सी पाठ्यक्रम	69750.00				
एम.टेक मा सं वि प्रशिक्षार्थियों के लिए विद्वान		846150.00			
प्रतिभूति जमा	5000.00	136440.00			
कर्मचारी विकास कार्यक्रम	41197.00	58050.00			
राष्ट्रीय कार्यशाला	35250.00				
VI. ली गई राशी			**VIII. इति शेष**		
VII. कोई अन्य प्राप्तियॉ (विवरण दें)			अ) रोकड़ शेष	398900.00	325000.00
वापसी योग्य जमा			आ) बैंक शेष		
नियमित परियोजना प्राप्तियॉ		113210.00	i) चालू खाते में	18157745.83	19922258.29
VNITTTR एडुसैट की व्यवस्था			ii) जमा खाते में	59482113.00	23308983.00
निमि परियोजना		100000.00	iii) राजीव गांधी राष्ट्रीय अधिसदस्यत	3731.00	3663.00
अनुसंधान अधि सदस्यता		926600.00	निधियॉ		
पुस्तकालय पुस्तकें					
अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी					
समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम		14806948.00			
योग	**385648978.83**	**197252814.09**	**योग**	**385648978.83**	**197252814.09**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

अनुसूची - 1

अनुसूची - आधार भूत / पूँजी निधि:	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
	रु. पै.	**रु. पै.**
साल के प्रारंभ में शेष	210719957.71	209582527.47
जोड़िए : आधार भूत / पूँजी निधि को अंशदान		
उपस्करों / परियोजना का पूँजीकरण		
योजना अनुदान पूँजी व्यय		
पिछले वर्ष में ISTE निर्धारित		
TNEB (त.ना.वि.बो) से समाधानकृत जमा राशि		
राजीव गांधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता बि.वि.अ.		18166.00
जोड़िए : निवल व्यय शेष		
आय-व्यय लेखे से स्थानांतरित	14456531.54	1119264.24
घटायें : आय व्यय लेखे से स्थानांतरित		
निवल व्यय शेष		
साल के अंत में - शेष	**225176489.25**	**210719957.71**

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ	योजना अनुदान	पीडब्ल्यूडी योजना	एआईसीटीई/ एसडीपी	राजीव गांधी एन एफ/डब्ल्यू	ओएससी विशेष अनुदान	योग (अ)
अ) निधियों का अथ शेष	**17151632.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**1200000.00**	**18711783.00**
आ) निधियों में परिवर्धन						
i दान/अनुदान						0.00
ii निधि लेखे में निवेश से प्राप्त आय						
iii अन्य जोड (प्रकार विनिर्दिष्ट करें)						
कुल (अ + आ)	**17151632.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**1200000.00**	**18711783.00**
इ) निधियों के उद्देश्यों का उपयोग/व्यय						
i पूँजी व्यय						
- अचल परिसंपत्तियाँ						
- अन्य						
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
ii राजस्व व्यय						
- वेतन, मजदूरी व भत्ता आदि						
- किराया						
- अन्य प्रशासनिक व्यय						
कुल						
कुल उपयोग / व्यय						
वर्ष के अंत में निवल शेष (अ+आ-इ)	**17151632.00**	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**1200000.00**	**18711783.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१२ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

चालू देयताएँ और प्रावधान

अनुसूची - 7

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
		रु.पै.	रु.पै.
1	**बकाया व्यय:**		
	कर्मचारी वेतन	3247269.70	4719836.00
	पेंशन भुगतान	1467789.00	
	वाहन अनुरक्षण	4959.00	4959.00
	विद्युत अनुरक्षण	5975.00	5975.00
	एन पी एस अंशदान देय	52547.00	
	जोड अ	**4778539.70**	**4730770.00**
2	**वापसी योग्य जमा राशियाँ:**		
	बयाना जमा राशि	369244.98	392260.98
	कर्मचारी मकान के लिए जमानती राशि	35000.00	35000.00
	पीएचडी के लिए जमानती राशि	27000.00	27000.00
	केंटीन के लिए जमानती रशि	6000.00	1000.00
	प्रतिभूति जमा राशि	874772.00	874772.00
	एमटेक-मा.सं.वि के लिए छात्रवृति जमा	224875.00	374875.00
	जी एस एल आई एस	10971.00	35650.00
	आवासी प्रभार - हॉस्टल	42480.00	42480.00
	अनुसंधान छात्र - एफ आई पी	170000.00	
	जोड आ	**1760342.98**	**1783037.98**
3	**अन्य देयताएँ:**		
	नया क्षेत्र पाठ्यक्रम शुल्क वापसी योग्य	2000.00	2000.00
	काफमौ उपकरण	81889.00	81889.00
	तमिलनाडु किताब घर	2731.00	2731.00
	कम्यूनिटि हॉल जमा राशि	29391.00	27891.00
	ओ टी सी	16905125.00	4695264.00
	भारतीय जीवन बीमा - जी एस एल आई एस		63920.00
	वेतन कटौती देय	1422445.30	
	संपत्ति कर देय	130382.00	130382.00
	लेखा परीक्षा व्यय - देय	56290.00	174620.00
	जोड इ	**18630253.30**	**5178697.00**
	कुल योग (अ + आ + इ)	**25169135.98**	**11692504.98**

अनुसूची - 8

अचल आस्तियाँ

	ग्रॉस ब्लॉक					अवमूल्यन			नेट ब्लॉक		
वर्णन	लागत / मूल्यांकन साल के प्रारंभ में (ग्रॉस)	वर्ष के दौरान जोड़ सितंबर के पहले	वर्ष के दौरान जोड़ सितंबर के बाद	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के दौरान लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक कुल	३१.०३.१२ को समाप्त चालू वर्ष	३१.०३.११ को समाप्त गत वर्ष
	1	2	3	4	5 (1+2+3+4)	6	7	8	9 (5+6+7+8)	10 (5-9)	11
भूमि											
मुक्त भूमि	268500				268500					268500	268500
पट्टे की भूमि											
भवन	64461344		3169351		67630695	26565866	3302301		29868167	64328394	64461344
संयत्र, मशीन और उपकरण	26054133	178410	211123		26443666	58149765	5267621		63417386	21176045	26054133
वाहन	695606				695606	1054380	139121		1193501	556485	695606
फर्निचर, फिक्सचर	4941463	125812	159236		5226511	4979569	514689		5494258	4711822	4941463
कार्यालय उपकरण	457905		423679		881584	672484	133949		806433	747635	457905
कम्प्यूटर पेरिफेरल	22122824	355000	1479771		23957595	63087455	4643542		67730997	19314053	22122824
विद्युत अधिष्ठापन	222834				222834	269849	44567		314416	178267	222834
पुस्तकालय के लिए किताबें	4826322	6000	229837		5062159	2740988	989448		3730436	4072711	4826322
स्मार्ट कक्षा वातानुकूलित	3908343				3908343	459855	781669		1241524	3126674	3908343
अन्य परिसंपत्तियाँ	633100		928506		1561606	795339	219471		1014810	1342135	633100
कुल	**128592374**	**665222**	**6601503**		**135859099**	**158775550**	**16036378**		**174811928**	**119822721**	**128592374**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१२ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

चालू आस्तियाँ ऋण और अग्रिम

अनुसूची - 11

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
		रु.पै.	रु.पै.
1	**(अ) चालू आस्तियाँ:**		
	इति रोकड़ शेष (स्थायी अग्रिम)	102600.00	99600.00
	बैंक शेष		
	इति बैंक शेष	77639858.83	49631241.29
	गैर-तकनीकी सक्षमताऐ		
	एल आर पी डबल्यूडी का विकास		
	आधुनिक अभियान		
	सामान्य इंजी. प्रयोगशाला		
	राजीव गाँधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता	3731.00	3663.00
	जोड अ	**77746189.83**	**49730841.29**
2	**(आ) अंतिम स्टॉक:**		
	डाक व्यय	14625.00	9767.00
	विद्युत अनुरक्षण	41650.00	168024.00
	भवन अनुरक्षण	6376.00	6376.00
	जोड आ	**62651.00**	**184167.00**

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
		रु.पै.	रु.पै.
3	**(इ) ऋण व अग्रिम:**		
	कर्मचारी		
	त्योहार अग्रिम	242449.00	74639.00
	सवारी अग्रिम	146060.00	146060.00
	भवन निर्माण अग्रिम	552923.00	552923.00
	बाढ़ कर्ज़ अग्रिम	3800.00	3800.00
	विकलांग व्यक्तियों को	13893.00	13893.00
	अन्य - अस्थायी अग्रिम	296300.00	225400.00
	चिकित्सा अग्रिम	154848.00	118348.00
	प्राप्य अग्रिम और राशि नकद में या किसी किस्म में		
	उद्योग में प्रतिभूति जमा	275.00	275.00
	एमईएस में प्रतिभूति जमा	371170.00	371170.00
	ईसी प्रतिभूति जमा	2551.00	2551.00
	ईसीएच जमा	1000.00	1000.00
	टेलीफोन कार्यालय में जमा	112893.00	112893.00
	एस ई पी डबल्यू डी में जमा	152.40	152.40
	इंडियन ऑयल में कार्पोरेशन में जमा	500.00	500.00
	डाक घर में जमा	100.00	100.00
	सी पी डबल्यू डी में जमा	48644000.00	
	पी डबल्यू डी में जमा	18638668.00	18638668.00
	ईंधन फर्म में जमा	25000.00	25000.00
	एम एल एन एन जमा	10000.00	10000.00
	पूर्वदत्त वाहन बीमा		10866.00
	एस डी आर पर ब्याज - उपचित		27435.00
	वेब प्रभार पूर्वदत्त		198016.00
	प्राप्य आय		
	एआईसीटीई ग्रीष्मकालीन स्कूल	131303.00	131303.00
	एआईसीटीई शीतकालीन स्कूल	522332.00	522332.00
	शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड प्रशिक्षण	66414.00	66414.00
	परियोजना लेखा	-50790.00	26457.00
	ए आई सी टी ई का प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम	146686.00	146686.00
	एच बी ए ब्याज - उपचित	239822.00	239822.00
	परामर्श शुल्क प्राप्य	1153497.00	1153497.00
	सहायता अनुदान गैर-योजना		29793000.00
	भा. स. सहायता अनुदान-योजना (पूँजीगत आस्तियाँ)		10000000.00
	जोड इ	**71425846.40**	**62613200.40**
	कुल जोड = (अ + आ + इ)	**149234687.23**	**112531871.69**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नै

३१ मार्च, २०१२ तक के तुलन पत्र के अंश के रुप में संलग्नित अनुसूची

आय अनुसूची - (12-18)

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
		रु.पै.	रु.पै.
12	**क्रय/सेवाओं से आय**		
	कर्मचारी आवास किराया	954655.00	1242632.00
	अतिथि गृह कमरा किराया	91520.00	90693.00
	हास्टल कमरा किराया	1500.00	123319.00
	किताबों की बिक्री और सी डी	13178.00	390750.00
	संस्थान परिसर किराया / फिल्म शूटिंग शुल्क		
	कुल	**1060853.00**	**1847394.00**
13	**आर्थिक सहायता अनुदान:**		
	भारत सरकार सहायता अनुदान गैर-योजना	99000000.00	88814000.00
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना आवर्ती	20000000.00	5800000.00
	भारत सरकार सहायता अनुदान योजना आवर्ती (पूँजीगत आस्तियाँ)	37000000.00	32500000.00
	कुल	**156000000.00**	**127114000.00**
14	**शुल्क और अभिदान:**		
	शिक्षु प्रशिक्षणार्थियों को वृत्ति - बी ओ ए टी		
	विदेशी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आय		
	पाठ्यक्रम शुल्क	1321432.00	111133.00
	कुल	**1321432.00**	**111133.00**
15	**निवेशों से आय:**		
	विशेष सावधि जमा राशि पर ब्याज	4043541.00	1962759.00
	बैंक खाते पर ब्याज	68.00	10119.00
	कुल	**4043609.00**	**1972878.00**
16	**रॉयल्टी व प्रकाशन से आय**		
	रॉयल्टी	79435.54	174581.24
	तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका	400.00	700.00
	कुल	**79835.54**	**175281.24**
17	**अर्जित ब्याज:**		
	सवारी अग्रिम पर ब्याज		
	भवन निर्माण अग्रिम पर ब्याज	6804.00	
	भवन निर्माण अग्रिम पर ब्याज-उपचित		
	कुल	**6804.00**	**0.00**

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
		रु.पै.	रु.पै.
18	**अन्य आय**		
	फुटकल राजस्व प्राप्तियाँ	194752.00	1504601.00
	संसदीय समिति		
	आई एस पी ए सम्मेलन	13331.00	
	अनुज्ञप्ति शुल्क	77793.00	
	राष्ट्रीय कार्यशाला	38250.00	
	एन आई टी, तिरुच्ची		
	ए आई सी टी आय		
	ए आई सी टी ग्रीष्मकालीन स्कूल		
	ए आई सी टी शीतकालीन स्कूल		
	निमी परियोजना लेखा		91000.00
	डीपीआर लक्षद्वीप परियोजना		200000.00
	टेए / डी ए राष्ट्रीय सम्मेलन		1772.00
	फिनिशिंग स्कूल		33390.00
	आई डी डी एस	477554.00	517790.00
	एम.टेक एच आर डी के लिए परीक्षा शुल्क		60000.00
	सी पी एस सी पाठ्यक्रम २०११-१२	69750.00	
	मल्टीमीडिया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम		-2800000.00
	सुज़लान एनर्जी लि.		
	कुल	**871430.00**	**-391447.00**

व्यय विवरण - अनुसूची २० से २२

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
		रु.पै.	रु.पै.
20	**स्थापना व्यय**		
	वेतन व मजदूरी	60,268,502.00	59,175,227.00
	भविष्य निधि अंशदान	3,569,446.00	372,546.00
	सी पी एफ ब्याज का अंशदान		208,493.00
	पेंशन संराशीकरण		
	प्रदत्त पेंशन	18,818,879.00	17,964,767.00
	मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान		
	अर्जित छुट्टी नकदीकरण	3,495,129.00	64,174.00
	तदर्थ बोनस	325,004.00	264,231.00
	एनपीएस अंशदान		
	ए जी आडिट को एल एस व पी सी		
	कुल	**86,476,960.00**	**78,049,438.00**
21	**अन्य प्रशासन व्यय**		
	विद्युत प्रभार	2,499,430.00	2,611,707.00
	जल प्रभार	301,218.00	394,513.00
	जल कर	53,493.00	28,263.00
	संपत्ति कर	95,071.00	130,382.00
	वाहन अनुरक्षण	488,016.00	439,373.00
	भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	13,663,015.00	5,717,759.00
	विद्युत अनुरक्षण	1,664,540.00	532,241.00
	फर्नीचर अनुरक्षण	73,701.00	7,060.00
	उपदान	4,869,453.00	1,643,339.00
	उपवन अनुरक्षण		785.00
	या.भ. व म.भ. आंतरिक	381,695.00	127,031.00
	छुट्टी यात्रा रियायत	171,423.00	762,234.00
	दूरभाष व ट्रंककाल	400,672.00	418,623.00
	डाक व्यय	117,080.00	127,436.00
	विज्ञापन	138,350.00	444,715.00
	बाल शिक्षा भत्ता	811,024.00	683,718.00
	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1,390,871.00	1,314,004.00
	वर्दी	6,274.00	59,622.00
	विधि प्रभार	144,500.00	203,115.00
	उपभोज्य भंडार	214,543.00	47,922.00
	फुटकर व बैंक शुल्क	693,490.00	463,119.75
	लेखा परीक्षा शुल्क		417,710.00
	अंतः खैलकूद प्रतियोगिता	976,045.00	96,254.00
	सुरक्षा शुल्क	1,650,251.00	1,501,209.00
	पेशावर विकास व्यय	163,055.00	247,299.00
	गणतंत्र दिवस समारोह	19,750.00	
	कुल	**30,986,960.00**	**18,419,433.75**

क्रम. सं.	विवरण	चालू वर्ष 2011-12	गत वर्ष 2010-11
		रु.पै.	रु.पै.
22	**अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय**		
	कर्मचारी विकास कार्यक्रम	8,972,139.00	8,044,285.00
	शिक्षु प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृति	117,278.00	45,340.00
	दीर्घावधि प्रशिक्षार्थियॉ को छात्रवृति		168,823.00
	विकास व्यय	277,173.00	163,162.00
	विकास व्यय (हिंदी सलाहकार)		50,682.00
	प्रलेखीकरण	225,939.00	226,210.00
	जीएसआई मेपिंग उपकरण		
	शिक्षण संकाय को सदस्यता शुल्क		
	पत्रिकाएँ	69,145.00	110,389.00
	लेखन सामग्री व छपाई	29,583.00	47,151.00
	प्रयोगशाला व कार्यालय उपकरणों का अनुरक्षण	1,142,880.00	1,921,788.25
	अनुसंधान फेलोशिप	2,720,571.00	1,565,865.00
	शिक्षा संकाय को पुस्तकों के मूल्य की प्रतिपूर्ति		318,516.00
	शिक्षा संकाय को कम्प्यूटर की लागत की प्रतिपूर्ति		44,600.00
	व्या. निकाय सदस्यता की लागत की प्रतिपूर्ति		34,911.00
	तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा पत्रिका	36,019.00	31,772.00
	सामुदायिक पॉलिटेकनीक		
	प्रशिक्षार्थियों को प्रसंगिक व्यय		
	राष्ट्रीय सम्मेलन या.भ व म.भ		
	अतिथि प्रवक्ता को पारिश्रमिक	634,175.00	659,355.00
	समीक्षा समिति की बैठक		
	उपभेज्य प्रयोगशाला		
	राष्ट्रीय संगोष्ठी		77,206.00
	राष्ट्रीय परिचर्चा		
	पाठ्यक्रम शुल्क प्राप्य		
	वी एन आई टी टी टी आर एजूसेट		
	वेब प्रभार	782,771.00	1,196,292.00
	कुल (अ)	**15,007,673.00**	**14,706,347.25**
	अन्य व्यय		
	ओ टी सी व्यय		
	जीआईएस (सीजीडबल्यूबी)		
	आई डी डी एस		
	अतिथि गृह व्यय	162,105.00	631,286.00
	ईक्यूपीटी (योजना डीएससी)		
	सी पी एस सी मनीला		
	राष्ट्रीय कौशल विकास और निमी	257,356.00	231,682.00
	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी		7,096.00
	कुल (आ)	**419,461.00**	**870,064.00**
	कुल (अ + आ)	**15,427,134.00**	**15,576,411.25**

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)

३१ मार्च, २०१२ को तुलन पत्र

देयताएँ	रशि रु.पै.	आस्तियाँ	राशि रु.पै.
लाभ और हानि लेखा	25382317.00	एस डी आर	5055645.00
		अस्थायी अग्रिम	290780.00
		रा त शि प्र अ सं अंशदान	11849480.00
		इतिशेष	
		ऐक्सिस बैंक	8186412.00
कुल	**25382317.00**	**कुल**	**25382317.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३
समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)
३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

पुस्तकें और पत्रिकाएँ	491,417.00	परियोजना प्राप्तियाँ	25,439,723.00
सीडीआईएमडी - XXIX बैच	47,688.00	ब्याज बैंक	252434.45
उपभोज्य वस्तुएँ	36,385.00		
एम एल पी ओ टी सी व्यय	92,205.00		
अतिथि गृह - आवास भोजन	229,849.00		
ओ टी सी मा सं वि पाठ्यक्रम	68,298.00		
ओ टी सी डब्ल्यू ई टी ई पाठ्यक्रम	41,496.00		
बैठक व्यय	7,743,664.00		
अध्ययन दौरा व्यय	357,685.00		
एसडीईएम बैच	321,134.00		
वाहन अनुरक्षण	7,550.00		
यात्रा व सवारी	271,138.00		
डब्लयू क्यू ए-१ बैच	57,929.00		
व्यय से अधिक आय	15,925,719.45		
कुल	**25,692,157.45**	**कुल**	**25,692,157.45**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३
समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी)
३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष का प्राप्तियाँ और आदायगीयाँ लेखा

अथ शेष		स.पा.पा व्यय	4,962,780.00
एक्सिस बैंक	4,739,276.55	अस्थायी अग्रिमा	5,068,321.00
		वाहन अनुरक्षण	7,550.00
परियोजना प्राप्तियाँ	547,660.00	टी डी एस प्रदत्त	25,910.00
ब्याज बैंक	252,434.45		
रा त शि प्र अ सं. अंशदान	12,711,602.00	**इति शेष**	
		ऐक्सिस बैंक	8,186,412.00
कुल	**18,250,973.00**	**कुल**	**18,250,973.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

परियोजना लेखा

३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र

देयताएँ	राशि रु.पै.	परिसंपतियाँ	राशि रु.पै.
वित्तीय वर्ष २०१०-११ परियोजनाएँ			
ब्राइन स्लज १० का विश्लेषण	46,037.00	परियोजना के लिए प्राप्य	
आसियान तटीय ईको सिस्टम ८	579,083.43	एनएलसी खान का माको लेवल भूजल फ्लो माडलिंग	16,883.00
एल और टी के लिए फ्लड मॉडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल तत्व	34,519.00	रा त शि प्र अ सं अंशदान	53,943.00
Ph II cel १ AT G के अभिकल्प और मानिटिरिंग की जाँच	115,353.00	एनएलसी - जीडब्लयूएम ३०	7,108.00
Cell २ फेस १ की अभिकल्प जाँच और मानिटिरिंग	78,728.00	टीएनए - केरल	196,939.00
वर्षा जल संचयन का अभिकल्प	168,540.00	सी ई एम/आर ए वाई-सी बी ई/एसएमओहेच	166,925.00
वेब पोर्टल का विकास	517,139.00	सी ई एम/आर ए वाई-टी आर वाई/एसएमओहेच	750,223.00
समस्या केंद्रित के लिए विकास अध्ययन	66,819.00	सी ई एम/आर ए वाई-टी वी एल/एसएमओहेच	623,966.00
गैर-इंजी (आट्स व सायन्स, कामर्स) के सम्मिलन के लिए डीपीआर	599,730.00	आर डब्लयूई / जी डब्ल्यू ई	10,919.00
डी पी आर - ल.द्वीप २५	158,886.00		
पुराने तमिल हस्तलिपियों के लिए डीजिटाइज्ड डीवीडी की तैयारी	208,799.00	आय से अधिक व्यय ०१.०४.२०११	1,425.00
वेब डेलिवरी के लिए मल्टीमीडिया से विषसवस्तु संवर्धन	363,960.00	आय से अधिक व्यय	150,532.00
पर्यावरणीय प्रभाव मूल्या TR २ - २८	54,031.00		
पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन इंजीनियारों के लिए - ५	28,859.00		
पर्यावरणीय प्रभाव मूल्या TR १ - २७	13,249.00		
ईटीईटीटीटीएस १३	1,507,344.00		
राष्ट्रीय माध्यमिक-२९ का न्यासीय मूल्यांकन	49,208.00		
स्लज स्टोरेज पिट की संपूर्णता मूल्यांकन	19,243.00		
पर्यावरण व वन मंत्रालय	500.00		
एन एल सी	281,608.00	सावधि जमा	2,682,865.00
तमिलनाडु सड़क क्षेत्र परियोजना	199,333.00		
टीएनपीसीबी-जलवायु परिवर्तन-२ पर हैंड आउट तैयार करना	29,502.00	**इति शेष**	
टीएनएससीबी - टीएसएस	315,851.00	इंडियन ओवरसीज़ बैंक	5,041,938.43
टीएनडब्ल्यूएमएल-१७	122,683.00	नकद	596,000.00
जीआईएस और मेपिंग टूल में प्रशिक्षण	200,000.00		
आईएसकोड के अनुसार निर्माण कार्य के लिए जल परीक्षण	1,382.00		

वित्तीय वर्ष २०११-१२ परियोजनाएँ			
सी डी सी / टी एन पी सी बी / बी पी / एस डी पी	296,817.00		
सी ई एम / एल टी-०२ / एस एम ओ हेच	7,250.00		
सी ई एम/पी डबल्यूडी/सी आई ए डब्ल्यू एम-आर/एस एम ओ हेच	88,771.00		
सी ई एम/पी डबल्यूडी/डी आई एस-आर/एस एम ओ हेच	75,156.00		
सी ई एम / आर एम के वाई - पी २ सी २ / एस एम ओ हेच	220,600.00		
सी ई एम / एस पी ए सी - ई आई ए / एस एम ओ हेच	90,037.00		
सी ई एम / टी एन आर एस पी - टी आर जी / एस एम ओ हेच	1,897,600.00		
सी ई एम/टीएनएससीबी/एसओआईएल-टी आर वाई/एस एम ओ हेच	174,420.00		
सी ई एम / डबल्यू आर डी / पी डबल्यूडी / एस एम ओ हेच	98,461.00		
सी आई सी टी - वीडियो / ई एस एम एस	51,423.00		
एल टी - जे ए आर / एस एम ओ हेच	8,000.00		
एम के यू / टी जी एस ए	75,000.00		
एन सी पी / एस डी पी / सी डी सी	1,000,000.00		
पी डबल्यूडी / डी आई एस - एन आर	38,488.00		
टी एन आर एस पी / सी एस पी / एस एम ओ हेच	330,900.00		
विविध प्राप्तियाँ	86,357.00		
कुल	**10,299,666.43**	**कुल**	**10,299,666.43**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३
परियोजना लेखा
३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

अथ शेष			
इंडियन ओवरसीज़ बैंक	6,480,674.15		
		ब्राइन स्लज १० का विश्लेषण	14,628.00
		Ph II cel १ AT G के अभिकल्प और मानिटिरिंग की जाँच	46,773.00
आसियान तटीय ईको सिस्टम ८	186,329.28	वेब पोर्टल का विकास	32,861.00
गैर-इंजी (आट्स व सायन्स, कामर्स के सम्मिलन के लिए डीपीआर)	427,603.00	समस्या केंद्रित के लिए विकास अध्ययन	5,466.00
अस्थायी अग्रिम	116,171.00	पुराने तमिल हस्तलिपियों के लिए डीजिटाइज्ड डीवीडी की तैयारी	90,445.00
सी डी एस / टी एन पी सी बी / बी पी / एस डी पी	296,817.00	वेब डेलिवरी के लिए मल्टीमीडिया से विषसवस्तु संवर्धन	97,963.00
सी ई एम / एल टी-०२ / एस एम ओ हेच	7,250.00	पर्यावरणीय प्रभाव मूल्या TR २ - २८	1,000.00
सी ई एम / आर एम के वाई - पी २ सी २ / एस एम ओ हेच	220,600.00	पर्यावरणीय प्रभाव मूल्या TR १ - २७	34,304.00
सी ई एम / टी एन आर एस पी - टी आर जी / एस एम ओ हेच	1,897,600.00	ईटीईटीटीटीएस १३	484,201.00
एल टी - जे ए आर / एस एम ओ हेच	8,000.00	एनएलसी खान का माको लेवल भूजल फ्लो माडलिंग	15,424.00
एम के यू / टी जी एस ए	75,000.00	रा त शि प्र अ सं खाता	80,400.00
एन सी पी / एस डी पी / सी डी सी	1,000,000.00	एन एल सी	21,368.00
टी एन आर एस पी / सी एस पी / एस एम ओ हेच	330,900.00	तमिलनाडु सड़क क्षेत्र परियोजना	190,000.00
सी ई एम / एस पी ए सी - ई आई ए / एस एम ओ हेच	110,037.00	टीएनएससीबी - टीएसएस	254,296.00
सी ई एम/टीएनएससीबी/एसओआईएल-टी आर वाई/एस एम ओ हेच	174,420.00	टीएनडब्ल्यूएमएल-१७	12,767.00
सी ई एम / डबल्यू आर डी / पी डबल्यूडी / एस एम ओ हेच	168,461.00	आर डब्लयूई / जी डब्ल्यू ई	10,919.00
सी आई सी टी - वीडियो / ई एस एम एस	51,423.00	सी ई एम/आर ए वाई-सी बी ई/एसएमओहेच	166,925.00
पी डबल्यूडी / डी आई एस - एन आर	107,000.00	सी ई एम/आर ए वाई-टी आर वाई/एसएमओहेच	638,056.00
सी ई एम/पी डबल्यूडी/सी आई ए डब्ल्यू एम-आर/एस एम ओ हेच	160,200.00	सी ई एम/आर ए वाई-टी वी एल/एसएमओहेच	507,913.00
सी ई एम/पी डबल्यूडी/डी आई एस-आर/एस एम ओ हेच	127,059.00	बैंक प्रभार	150,730.00
सावधि जमा पर व्याज	198.00		
		अस्थायी अग्रिम	1,364,500.00
		सावधि जमा	2,682,865.00
		इतिशेष	
		इंडियन ओवरसीज़ बैंक	5,041,938.43
कुल	**11,945,742.43**	**कुल**	**11,945,742.43**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१२ को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

व्यय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	आय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
बैंक प्रभार	150,730.00	150,730.00	सावधि जमा पर ब्याज	198.00	198.00
			व्यय से अधिक आग		150,532.00
		150,730.00			**150,730.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, पो, चेन्नई - ६०० ११३।

अनुसूची - 25

लेखे पर टिप्पणी - 2011-2012

१. गत वर्षों के आंकडों को आवश्यकतानुसार पुन: कोटीकृत तथा पुन: वर्गीकृत किया गया है।

२. मूल्यह्रास:

संयंत्र और मशीनरी, कम्प्यूटर पेरिफेरल, उपस्कर पुस्तकालय की पुस्तकें तथा अन्य आस्तियों के लिए २०% की दर पर, फर्नीचर के लिए १०% की दर पर और भवनों के लिए ५% की दर पर १९९८-९९ से मूल्य ह्रासित मूल्य पर मूल्य ह्रास प्रदान किया जाता है। वर्ष के दौरान अचल परिसंपतियों में जोड़ के संबंध में प्रतिवर्ष १ अक्तूबर से पूर्व क्रीत परिसंपतियों के लिए पूर्ण मूल्यहास और १ अक्तूबर के पश्चात क्रीत परिसंपतियों के लिए सामान्य दर के ५०% पर मूल्यहास पर विचार किया जाता है। रु.१०००/- और उससे कम की परिसंपतियों के लिए पूर्णत: प्रावधान है।

३. सेवानिवृत्ति सुविधाएँ:

मृत्यु / सेवा निवृत्ति पर देयताओं को भुगतान के आधार पर दिया गया।

४. भूमि का मूल्य:

राज्य सरकार द्वारा अब तक भूमि को संस्थान को न सौपने के कारण भूमि के मूल्य को नहीं दर्शाया गया है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

२०११-१२- का उपयोग प्रमाण पत्र
गैर - योजना

अंतिम

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	
१.	Lr. No.6-8/2011 TS.IV, dt: 21.07.2011	4,70,00,000	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष २०११-१२ के दौरान हाशिए में दर्शाए इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के अधीन निदेशक एनआईटीटीआर, चेन्नई के नाम सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत राशि ९,९०,००,०००/-रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि ४५,००,०००/-रु. आंतरिक राजस्व अर्जन की राशि २,१३,६५,०५२/-रु., में से गैर-योजना व्यय के लिए ११,७८,८३,३८१/-रु., जिसके लिए यह राशि मंजूर की गई थी, खर्च किए गए और गैर-योजना अनुदान की अव्ययित शेष राशि ६९,८१,६७१/-रु. वर्ष २०१२-१३ के दौरान देय सहायता अनुदान में समायोजित की जाएगी।
२.	Lr. No.6-8/2011 TS.IV, dt: 29.09.2011	3,30,00,000	
३.	Lr. No.6-8/2011 TS.IV, dt: 16.01.2012	1,90,00,000	
	योग	9,90,00,000	

मैं पूर्णतः संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

१. मासिक व्यय
२. त्रैमिसिक व्यय
३. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

योजना (सामान्य)
का २०११-१२- का उपयोग प्रमाण पत्र

अंतिम

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष २०११-१२ के दौरान हाशिए में दर्शाए इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के अधीन निदेशक एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत राशि २,००,००,०००/-रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि १४,८४,३८८/-रु.में से योजना व्यय के लिए १,५०,०७,६७३/-रु., जिसके लिए यह राशि मंजूर की गई थी, खर्च किए गए और अव्ययित योजना अनुदान की अतिरिक्त राशि ६४,७६,७१५/-रु. वर्ष २०१२-१३ के दौरान देय सहायता अनुदान में समायोजित की जाएगी।
१.	Lr. No.6-10/2011 TS.IV, dt: 10.08.2011	1,00,00,000	
२.	Lr. No.6-10/2011 TS.IV, dt: 29.09.2011	35,00,000	
३.	Lr. No.6-10/2011 TS.IV, dt: 16.01.2012	65,00,000	
	योग	2,00,00,000	

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

१. मासिक व्यय
२. त्रैमिसिक व्यय
३. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३।

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

योजना का २०११-१२- का
उपयोग प्रमाण पत्र (पूँजीगत आस्तियाँ)

अंतिम

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष २०११-१२ के दौरान दर्शाए इस मंत्रालय / विभाग की पत्र संख्या के अधीन निदेशक, एनआईटीटीटीआर चेन्नई के नाम सहायता अनुदान के रुप में स्वीकृत राशि रु.३,७०,००,०००/- और पिछले साल के अव्यछित शेष राशि रु.१,९२,३३,१४५/- में से पूँजीगत आस्तियों के लिए ५,५९,१०,७२५/-रु. खर्च किए गए। जिसके लिए यह राशि मंजूर की गई थी, खर्च किए गए और ३,२२,४२०/-रु. की अधिक राशि २०१२-१३ के दौरान देय सहायता अनुदान में समायोजित की जाएगी।
१.	Lr. No.6-10/2011 TS.IV, dt: 16.01.2012	3,70,00,000	
	योग	3,70,00,000	

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

१. मासिक व्यय
२. त्रैमिसिक व्यय
३. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३।

2011 - 2012
का भविष्य निधि लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१२ तक का तुलन पत्र

देयताएँ	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	परिसंपतियॉ	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अभिदाता लेखा			**अस्थायी अग्रिम**		
जी पी एफ 01.04.2011 में शेष	20,063,904.76		जीपीएफ 01.04.11 में शेष	2,421,955.30	
जोड़िए: अभिदान 2011-12 में	5,125,790.00		जोड़िए: 2011-12 में अग्रिम	793,060.00	
जोड़िए: अभिदान पर ब्याज	1,363,510.00			3,215,015.00	
जोड़िए: बकाया			घटायें : अग्रिमों की वसूली	765,456.00	2,449,559.30
	26,553,204.76				
घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान	2,594,100.00	23,959,104.76			
सी पी एफ-जी			सी पी एफ 01.04.2011 में शेष		6,816.00
सी पी एफ 01.04.2011 में शेष	3,738,505.00				
जोड़िए: अभिदान 2011-12 में	459,936.00		**निवेश**		
जोड़िए: अभिदान पर ब्याज	297,397.00				
	4,495,838.00		विशेष जमा - आई ओ बी	1,500,000.00	
घटायें : आंशिक/अंतिम भुगतान	4,495,838.00		विशेष जमा - एस बी आई	1,400,000.00	
		0.00	आर डी पी	7,000,000.00	
एनपीएस 01.04.2011 को	3,683,390.00		एस टी डी	4,000,000.00	13,900,000.00
जोड़िए: अभिदान	1,186,162.00				
जोड़िए: अभिदान पर ब्याज	102,711.00				
		4,972,263.00			
सीपीएफ अदावी शेष		3,286.45	**निवेश पर आय**		
			आई ओ बी	1,304,732.00	
नियोक्ता अंशदान		-231,862.00	एस बी आई	1,220,393.00	2,525,125.00
			अल्पावधि जमा - आई ओ बी		5,000,000.00
अदावी शेष		11,170.00			
01.04.2012 का आय से ज्यादा व्यय	1,892,133.00		**इति शेष**		7,533,474.41
घटाएँ : आय से ज्यादा व्यय	808,879.50	2,701,012.50			
		31,414,974.71			**31,414,974.71**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१२ को समाप्त आय व व्यय लेखा

व्यय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	आय	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अभिदाताओं को ब्याज			**निवेशों पर ब्याज**		
एन पी एस	593,081.00		एस डी आर ब्याज	1,252,483.00	
बैंक प्रभार	87.50	593,168.50	सामान्य ब्याज	149,565.00	1,402,048.00
व्यय से अधिक आय		808,879.50			
		1,402,048.00			**1,402,048.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३

भविष्य निधि लेखा

३१.०३.२०१२ को समाप्त प्राप्तियाँ व अदायगी लेखा

प्राप्तियाँ	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.	अदायगी	राशि रु. पै.	राशि रु. पै.
अथ शेष		5,895,095.91	बैंक प्रभार		87.50
अभिदान			**अस्थायी अग्रिम**		
जी पी एफ	6,590,416.00		जी पी एफ		790,529.00
एन पी एस	696,592.00	7,287,008.00	**चंदो से आंशिक / अंतिम भुगतान**		
			जी पी एफ आंशिक अंतिम निकासी		4,347,745.00
			सी पी एफ - जी		3,912,316.00
चालू खाते से एन पी एस को अंतरण					
			विशेष जमा राशि		
निवेश से आय					
आई ओ बी अल्पावधि जमा		2,000,000.00			
सामान्य ब्याज		149,565.00			
एसडीआर ब्याज		1,252,483.00	**इति शेष**		7,533,474.41
		16,584,151.91			**16,584,151.91**